● वर्ष : 17 ● अंक : 163 ● मूल्य : 02 रुपया मात्र ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928

www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित शुक्रवार 03 अप्रैल 2026

अमित शाह ने भरी हुंकार : पूरा बंगाल ममता को विदाई देने के लिए तैयार

एजेंसी, कोलकाता

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गढ़ व गृह क्षेत्र भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में हुंकार भरते हुए कहा कि पूरा बंगाल ममता को विदाई देने के लिए तैयार है। भवानीपुर से ममता के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरे विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के नामांकन से पहले सीएम के घर से कुछ दूरी पर स्थित हाजरा मोड़ से शुरू हुए रोड शो से पूर्व लोगों को संबोधित कर केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भ्रष्ट टीएससी सरकार की विदाई तय है। पांच मई को बंगाल में भाजपा सरकार बनेगी।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भवानीपुर वालों पूरे बंगाल में परिवर्तन करना अब आपके हाथ में है। मेरे पास एक शॉर्टकट है, अगर भवानीपुर वाले एक ही सीट जीता दे, तब पूरे बंगाल में अपने आप परिवर्तन हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि सुवेंदु दा नंदीग्राम से चुनाव लड़ना चाहते थे। मैंने सुवेंदु दा से कहा था कि केवल नंदीग्राम ही नहीं बल्कि ममता के घर में जाकर उन्हें हराना है। बीजेपी के चाणक्य शाह ने कहा कि ममता ने पिछली बार 2021 में बंगाल में सरकार बना ली थीं लेकिन नंदीग्राम में वे सुवेंदु अधिकारी के सामने चुनाव हार गई थी। इस बार ममता पूरे बंगाल में भी हारेंगी और भवानीपुर में भी हारेंगी। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि इस बार चुनाव के दौरान मैं 15 दिन बंगाल में रहूंगा। शाह के नेतृत्व में भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में विशाल रोड शो दोपहर 12 बजे शुरू हुआ, जो करीब दो किलोमीटर दूर सर्वे बिल्डिंग के पास समाप्त होगा। जहां शाह की मौजदूगी में सुवेंदु अधिकारी भवानीपुर सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। रोड शो में शाह के साथ सुवेंदु के अलावा चौरंगी सीट से भाजपा प्रत्याशी संतोष पाठक, रासबिहारी से प्रत्याशी स्वप्न दासगुप्ता के अलावा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य व अन्य वरिष्ठ नेता वाहन पर सवार हैं। शाह के रोड शो में लोगों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा है। भगवा झंडा लिए भाजपा समर्थक जय श्री राम का नारा बुलंद कर रहे हैं, जिससे पूरा इलाका भगवामय नजर आ रहा है। इस दौरान रैली को संबोधित कर शाह ने कहा कि पूरे बंगाल में हर जगह पर एक ही आवाज है, इस सरकार को बदल दो। ममता को बाय-बाय, टाटा कर दो। मैं आज बंगाल की पूरी जनता, जो तोलाबाजी (रंगदारी) से त्रस्त है, तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की गुंडई से त्रस्त है, महिलाओं की असुरक्षा के त्रस्त है, बिना रोकटोक घुसपैठ करके बंगाल की जनसांख्यिकी बदल रही है, इससे त्रस्त है। आए दिन बम धमाके, गोलीबारी से त्रस्त है, युवा बेरोजगारी से त्रस्त है और भ्रष्टाचार का इतना रिकार्ड ममता ने जो बनाया है, इससे भी त्रस्त है।

अमित शाह की रैली में बीजेपी-टीएमसी कार्यकर्ताओं में बनी टकराव की स्थिति, पुलिस ने संभाला

एजेंसी, कोलकाता । पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में राजनीति फिर गर्म होती नजर आ रही है। गृहमंत्री अमित शाह के रोड शो में जो तस्वीर सामने आई, उसने यह साफ कर दिया कि चुनावी माहौल अब पूरी तरह टकराव की ओर बढ़ गया है। भवानीपुर की सड़कों पर जब उनका काफिला गुजरा, तो यह सिर्फ एक राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन नहीं था, बल्कि दो बड़ी पार्टियों के बीच सीधा आमना-सामना देखने को मिला। ममता बनर्जी के घर के पास हुई यह झड़प बताती है कि इस बार का चुनाव सिर्फ वोट की लड़ाई नहीं, बल्कि साख और वर्चस्व की जंग है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमित शाह के रोड शो में कार्यकर्ताओं के बीच नारेबाजी शुरू हो गई विवाद अचानक टकराव में बदल गया। हालांकि पुलिस ने स्थिति को संभाल लिया, लेकिन यह घटना आने वाले दिनों में सियासी गर्मी को और बढ़ने के संकेत दे रही है। ऐसे माहौल में चुनाव आयोग और प्रशासन की भूमिका भी बेहद अहम हो जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक भवानीपुर, कोलकाता में अमित शाह का रोड शो उस समय चर्चा में आ गया जब उनका काफिला सीएम ममता बनर्जी के घर के पास से गुजरा। इसी दौरान बीजेपी और टीएमसी के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर नारेबाजी हुई और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

ज्वलंत मुद्दा संपादकीय

ट्रंप के संदेश से वैश्विक तनाव बढ़ा,दुनिया तीसरे विश्वयुद्ध के मुहाने पर?

डोनाल्ड ट्रंप ने जो ताजा संदेश दिया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस संदेश ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बड़ी हलचल तेज कर दी है। माना जा रहा था कि वह ईरान युद्ध को लेकर कोई स्पष्ट नीति की घोषणा करेंगे। लेकिन उन्होंने किस तरह का कोई बयान नहीं दिया। उनके बयान के बाद यह आशंका जताई जा रही है। जिस तरह से उन्होंने अपना पल्ला झाड़ है, उसके बाद दुनिया एक बड़े सैन्य टकराव की ओर बढ़ सकती है। खासकर ईरान के खिलाफ कई देशों को एकजुट करने की बात ने वैश्विक संतुलन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मध्य-पूर्व पहले से ही युद्ध के कारण कई कारणों से अस्थिर है, जहां इसराइल ,इराक सऊदी अरब, कतर और यूएई जैसे देशों के बीच जटिल स्थिति देखने को मिल रही है। यदि इन देशों के बीच युद्ध इसी तरह चलता रहेगा,तो इसका सबसे बड़ा असर इन्हीं देशों पर पड़ेगा। विशेष रूप से इराक और इजराइल को भारी जनहानि और आर्थिक नुकसान होना तय है।

इतिहास गवाह है, जब भी बड़ी शक्तियां टकराती हैं। तो इसका परिणाम वैश्विक आर्थिक संकट के रूप में सामने आता है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले ही कई चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे में यदि युद्ध की स्थिति बनती है, तो दुनिया में एक नई महामंदी की ओर बढ़ती दिख रही है। ऊर्जा आपूर्ति बाधित होगी, व्यापार ठप पड़ेगा और महंगाई चरम पर पहुंच सकती है। विश्लेषकों का मानना है, यह स्थिति वैसी ही हो सकती है।जैसी लगभग 36 साल पहले सोवियत यूनियन के विघटन के समय बनी थी। उसी की पुनरावृत्ति होती हुई दिख रही है। उस दौर में आर्थिक अस्थिरता और राजनीतिक दबाव ने सोवियत रूस का विघटन कर उस महाशक्ति को कमजोर कर दिया था। यदि अमेरिका लंबे समय तक किसी बड़े युद्ध में उलझता है। तो उसके आर्थिक और सामाजिक ढांचे पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए "विश्व युद्ध" का संकेत मान लेना जल्दबाजी हो सकती है। लेकिन जिस तरह के हालात बन रहे हैं।

उससे कभी भी विश्व युद्ध शुरू हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, संयुक्त राष्ट्र जैसे संस्थान और वैश्विक शक्तियों एक तरह से निष्क्रिय हैं। जो हालात को नियंत्रित करने में भूमिका निभा सकते हैं। ट्रंप के बयान ने निश्चित रूप से दुनिया के सभी देशों की चिंता बढी हैं। वर्तमान में इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच जो युद्ध चल रहा है उसको रोकने की दिशा में ना तो वैश्विक संस्थाएं आगे आ रही हैं ना ही कोई ऐसा नेता अब है जो सब लोगों से बात करके संयम और विवेक से स्थिति को संभाल सके। इस समय आर्थिक मंदी के संकेत देखने को मिल रहे हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.**9911371802**
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER**786**@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में उप नेता के पद से हटाया

एजेंसी, नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में उप नेता के पद से हटा दिया है।

इतना ही नहीं, राज्यसभा में उनके बोलने पर भी कैंची चला दी है। आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा की जगह अब नया उपनेता चुना है। अब आम आदमी पार्टी के सांसद अशोक मित्तल राज्यसभा में उपनेता होंगे। आप ने इस बाबत राज्यसभा सचिवालय को पत्र सौंप दिया है। सूत्रों के मुताबिक आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को सूचित किया है कि सांसद राघव चड्ढा को संसद में बोलने के लिए समय आवंटित न किया जाए। बता दें राघव चड्ढा पर यह एक्शन ऐसे वक्त में हुआ है, जब वह लगातार राज्यसभा में जनहित के मुद्दे उठा रहे थे। चाहे वो एयरपोर्ट पर 10 रुपए की चाय हो या डिलीवरी बॉयज के मुद्दे हों। मीडिया रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से बताया गया है कि पार्टी हाई कमान ने उन्हें चेतावनी दी थी कि वे बिना चर्चा के कुछ मुद्दों पर बोल रहे हैं। वह राज्यसभा में किस मुद्दे को उठाएंगे, इसकी जानकारी भी पार्टी को नहीं देते थे। हालांकि आप ने इस फैसले के पीछे का कारण नहीं बताया। सूत्रों का कहना है कि यह फैसला अनुशासनहीनता और पार्टी लाइन का पालन न करने के आरोप में लिया गया हो सकता है। चड्ढा पर आरोप लगते रहे हैं कि वह पार्टी की लाइन से अलग बात करते हैं। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को जब राउज एवेन्यू कोर्ट बरी किया था, तब भी राघव चड्ढा का बयान सामने नहीं आया था। जब दिल्ली में शराब कांड मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत कईयों को जमानत मिली तब उस पर भी राघव चड्ढा चुप थे।

सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद भी नीतीश कुमार की नहीं हटेगी जेड+ सुरक्षा

एजेंसी, पटना । बिहार की राजनीति में एक बड़े बदलाव की सुगबाहट तेज हो गई है। सीएम नीतीश कुमार के जल्द ही अपने पद से इस्तीफा देने की संभावनाओं के बीच राज्य सरकार के गृह विभाग ने उनकी सुरक्षा को लेकर एक अधिसूचना जारी की है। आदेश के मुताबिक सीएम पद से हटने के बाद भी नीतीश कुमार को जेड+ श्रेणी का सुरक्षा मिलती रहेगी। गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में साफ कहा गया है कि नीतीश कुमार बिहार विशेष सुरक्षा अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के तहत उच्च स्तरीय सुरक्षा कवर के हकदार हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नीतीश कुमार राज्यसभा के लिए चुने गए थे और जल्द ही सीएम पद से इस्तीफ़ा देकर राज्यसभा जाएंगे। इन घटनाक्रमों के मद्देनज़र, नीतीश कुमार की सुरक्षा की समीक्षा करने के बाद उन्हें जेड+ सुरक्षा देने का फ़ैसला किया गया। इस महीने की शुरुआत में राज्यसभा के लिए चुने गए नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद की अपनी सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के बिहार विधान परिषद से इस्तीफा देने के फ़ैसले के बाद राज्य के नए सीएम को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

ट्रंप ने फिर ईरान को धमकाया कहा- पाषाण युग में भेज देंगे, तेल के कुओं को तबाह करना आसान

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को देश के नाम संबोधन में ईरान के विरुद्ध जारी सैन्य कार्रवाई पर कड़ा रुख अख्तियार किया है। ट्रंप ने दावा किया कि पिछले एक महीने के युद्ध में ईरान की नौसेना, वायुसेना और मिसाइल क्षमता पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने तेल ठिकानों का जिक्र करते हुए कहा कि वे सबसे आसान लक्ष्य हैं, लेकिन अब तक उन पर हमला इसलिए नहीं किया गया क्योंकि इससे ईरान को दोबारा संभलने का कोई मौका नहीं मिलता। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ईरान के पास अब कोई प्रभावी वायु रक्षा प्रणाली या रडार शेष नहीं है, जिससे अमेरिकी सेना सैन्य रूप से अजेय हो गई है। युद्ध विराम की अटकलों के बीच राष्ट्रपति ने घोषणा की कि अमेरिकी अभियान फिलहाल जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले दो से तीन हफ्तों में ईरान पर और भी घातक हमले किए जाएंगे ताकि उसे पूरी तरह पस्त किया जा सके। बातचीत की गुंजाइश पर ट्रंप ने कहा कि उनका लक्ष्य सत्ता परिवर्तन नहीं था, लेकिन नेतृत्व खत्म होने से वहां अब नया और अधिक समझदार समूह सक्रिय है। राष्ट्रपति ने सीधी धमकी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही कोई समझौता नहीं हुआ, तो ईरान के सभी बिजली संयंत्रों को एक साथ निशाना बनाकर उसे पाषाण युग में धकेल दिया जाएगा।

पड़ोसी देश की हर 'गलत हरकत' का जवाब देने भारतीय सेना पूरी तरह तैयार

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत का पड़ोसी देश किसी भी तरह की 'गलत हरकत' कर सकता है, लेकिन अगर ऐसा हुआ तो भारत की प्रतिक्रिया अभूतपूर्व और निर्णायक होगी। उन्होंने साफ किया कि सशस्त्र बल हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। रक्षा मंत्री का यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान युद्ध के कारण एशिया में भी तनाव बढ़ा हुआ है। वैश्विक तनाव के इस दौर में भारत की सुरक्षा को लेकर सख्त संदेश सामने आया है। राजनाथ ने कहा कि यह सिर्फ एक चेतावनी नहीं, बल्कि यह संकेत भी है कि भारत अब हर खतरे का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

रक्षा मंत्री ने देशवासियों को भरोसा दिलाते हुए कहा कि हम अपने भारतीय नागरिकों की रक्षा और सुरक्षा के लिए हर कदम उठाने में सक्षम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष को लेकर लोगों को घबराने की जरूरत नहीं 'हालात गंभीर जरूर हैं, लेकिन सरकार हर स्थिति पर नजर रखे हुए है। उनके इस बयान से साफ है कि सरकार एक तरफ सख्ती दिखा रही है और दूसरी तरफ जनता का भरोसा भी बनाए रखना चाहती है। उन्होंने बताया कि देश की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सेना हर स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। उन्होंने ऊर्जा संकट की आशंकाओं को भी खारिज करते हुए कहा कि कुछ लोग इस युद्ध के कारण झूठ फैला कर डर का माहौल बना रहे हैं, लेकिन देश में न तो पेट्रोल-डीजल की कमी है और न ही रसोई गैस की। इस बयान से उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की और भरोसा दिलाया कि जरूरी संसाधनों की कोई कमी नहीं है। सरकार लगातार पश्चिम एशिया के हालात पर नजर बनाए हुए है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं और हर परिस्थिति से निपटने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने खासतौर पर उन भारतीयों का जिक्र किया जो विदेशों में रह रहे हैं और कहा कि उनकी सुरक्षा सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने पीएम मोदी की भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार लगातार उच्च स्तर पर बैठकों के जरिए हालात की समीक्षा कर रही है।

गौतम अडाणी ने परिजनों के संग श्रीरामलला के किए दर्शन, गौतम ने बताया भावुक पल

एजेंसी, अयोध्या : देश के प्रतिष्ठित उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने गुरुवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में परिवार के साथ श्रीरामलला के दर्शन पूजन किया। अडाणी ने निशुल्क गुरुकुल महाविद्यालय के विद्यार्थियों से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित भी किया और गुरुकुल की पुरानी और आधुनिक परंपरा के बारे में जाना समझा। अडाणी ने गुरुकुल संस्कृति को संरक्षित करने में हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिया। गुरुवार को अहमदाबाद से दो चार्टर्ड फ्लाइट्स से उद्योगपति और अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी अपने परिजनों के साथ महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। इसके बाद वे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचे। श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय, ट्रस्ट सदस्य डॉ अनिल मिश्र, विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय पदाधिकारी राजेन्द्र सिंह पंकज, गोपाल नागरकट्टे आदि ने उनका स्वागत किया गया। इसके बाद अडाणी ने परिजनों के साथ श्रीरामलला के दर्शन किये और विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद आरती भी की।

मघड़ा शीतला मंदिर हादसे में 20 लोगों पर मामला दर्ज, चार पुजारी गिरफ्तार

एजेंसी, पटना। बिहार में नालंदा के मघड़ा शीतला मंदिर हादसे में 20 लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस ने चार पुजारियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आए इन पुजारियों पर रुपए लेकर पूजा करवाने और महिलाओं पर डंडे चलाने का आरोप है। दीपनगर थाने की दारोगा के बयान के बाद एफआईआर दर्ज दर्ज की है। मामले में 20 नामजद और कई अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया। नामजद लोगों में 18 पंडा समाज के लोग और उनके दो सहयोगी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार के नालंदा जिले में स्थित शीतला माता मंदिर में मंगलवार को धार्मिक सभा के दौरान भगदड़ मच गई थी। इस दौरान आठ महिलाओं की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए थे। यह घटना तब हुई जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए जमा हुए थे, जिससे वहां भारी भीड़ हो गई और अचानक मची भगदड़ में कई लोग कुचल गए। बिहार सरकार ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। घटनास्थल से सामने आए विजुअल्स में मंदिर परिसर के अंदर भारी तादाद में भीड़ और अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दे रहा है। जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारी और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

सेना में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में कोर्ट ने केंद्र समेत कई एजेंसियों से मांगा जवाब

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय सेना में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े एक मामले में केंद्र सरकार समेत कई एजेंसियों से जवाब मांगा है। कोर्ट ने इस मामले में सीबीआई, केंद्र सरकार और कैग को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रतीक जलान की पीठ ने दिया, अब इस मामले की अगली सुनवाई 19 मई को तय की गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह याचिका लेफ्टिनेंट कर्नल सुमित श्योराण द्वारा दायर की गई है, जिसमें उन्होंने भारतीय सेना के कुछ अधिकारियों के

याचिकाकर्ता ने पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग

खिलाफ बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच कोर्ट की निगरानी में सीबीआई से कराई जाए। याचिका में दावा किया गया है कि नई दिल्ली में तैनाती के दौरान उन्होंने एसीजी के तहत खरीद प्रक्रियाओं में भारी वित्तीय अनियमितताओं का खुलासा किया। आरोप है कि सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया, जिसमें खरीद प्रक्रिया में हेरफेर, फर्जी दस्तावेज तैयार करना और सरकारी संपत्ति का गलत तरीके से उपयोग शामिल है।

याचिका के मुताबिक सार्वजनिक धन से खरीदे गए सामान को अधिकारियों के मेस का बताकर पेश किया गया और खरीद की सीमा से बचने के लिए ऑर्डर को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा गया। इससे निगरानी और जांच से बचने की कोशिश की गई। लेफ्टिनेंट कर्नल श्योराण ने यह भी आरोप लगाया कि उन्होंने 6 सितंबर 2024 से इस मामले में कई शिकायतें संबंधित अधिकारियों से की थी, जिनमें ठोस सबूत भी दिए थे।

तलाशी में फर्जी आधार, मलेशियाई करेंसी मिली, काम की तलाश में जा रहे थे कश्मीर

एजेंसी, जलपाईगुड़ी

भारत में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पश्चिम बंगाल और दिल्ली में दो अलग-अलग बड़ी कार्रवाइयां की गई है। पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी रोड स्टेशन पर आरपीएफ ने दिल्ली जाने वाली नॉर्थईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन से 14 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। पकड़े गए इन लोगों में चार महिलाएं और चार नाबालिग हैं। पकड़े गए इन लोगों के पास आधार कार्ड बरामद हुए हैं। ये दस्तावेज फर्जी हैं या अवैध तरीकों से बनवाए गए हैं, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। तलाशी के दौरान इनके पास से फर्जी दस्तावेजों के साथ-साथ मलेशियाई मुद्रा भी बरामद हुई है। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि वे काम की तलाश में

कश्मीर जा रहे थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरपीएफ इंस्पेक्टर ने बताया कि यह कार्रवाई विशिष्ट सूचनाओं के आधार पर और नियमित ट्रेन चेकिंग के दौरान की गई। उन्होंने कहा कि सूत्रों से मिली जानकारी के आधार पर हमारे आरपीएफ कर्मचारियों ने ट्रेनों के निरीक्षण के दौरान कई संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान की उनके आधार कार्ड की जांच करने पर दस्तावेज़ फर्जी प्रतीत हुए। इस पर कार्रवाई करते हुए हमने पांच पुरुषों, पांच महिलाओं और चार बच्चों को हिरासत में लिया। ये सभी बांग्लादेश के रहने वाले हैं। बता दें इससे पहले 13 मार्च को दिल्ली पुलिस के बाहरी जिले के विदेशी सेल ने भी अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ एक विशेष अभियान के तहत 10 बांग्लादेशी प्रवासियों को गिरफ्तार किया था, जो कथित तौर पर फर्जी मेडिकल वीजा व्यवस्था का इस्तेमाल कर रहे थे। हिरासत में लिए गए इन अवैध नागरिकों को वापस भेजने के लिए विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय द्वारा निर्वासन की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। विदेशी सेल की एक विशेष टीम को सत्यापन अभियान के दौरान सूचना मिली थी कि कुछ विदेशी नागरिक अपने वीजा की अवधि समाप्त होने के बावजूद इलाके में रह रहे हैं।

इंडोनेशिया के मोलुक्का सागर में 7.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, सुनामी के साथ एक की मौत

एजेंसी, जकार्ता : इंडोनेशिया के उत्तरी मोलुक्का सागर में गुरुवार को 7.6 तीव्रता के एक बेहद शक्तिशाली भूकंप ने भीषण तबाही मचाई है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण न केवल कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं, बल्कि समुद्र में सुनामी की लहरें भी पैदा हो गई हैं। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, अब तक मलबे में दबने से एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हो चुकी है। भूकंप का केंद्र फिलीपींस के तट से लगभग 580 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थित था, जिसके झटके मलेशिया और ताइवान तक महसूस किए गए। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप के बाद तटीय क्षेत्रों में पांच अलग-अलग स्थानों पर सुनामी की लहरें देखी गईं, जिनमें सबसे ऊंची लहर उत्तरी सुलावेसी में 0.75 मीटर दर्ज की गई। मुख्य झटके के बाद 11 आफ्टरशॉक भी महसूस किए गए, जिनमें सबसे तेज झटका 5.5 तीव्रता का था। अधिकारियों ने शुरुआत में लहरों के 3 मीटर तक ऊंचे उठने की आशंका जताई थी, जिसके कारण तटीय इलाकों में रहने वाले लोग दहशत में अपने घरों से बाहर निकल आए। मानाडो इलाके में एक खेल प्राधिकरण की इमारत का हिस्सा गिरने से एक व्यक्ति की जान चली गई।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष जनाब मलिक मोअतसिम ख़ान ने मौलाना अब्दुल्लाह सलीम के साथ हिरासत में कथित दुर्व्यवहार की रिपोर्टों पर चिंता व्यक्त की, विधिसम्मत प्रक्रिया और गरिमा सुनिश्चित करने की मांग की

लोकतंत्र की शान : "हम उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) द्वारा मौलाना अब्दुल्लाह सलीम चतुर्वेदी की गिरफ्तारी और हिरासत में उनके साथ कथित दुर्व्यवहार से संबंधित हालिया मीडिया रिपोर्टों पर चिंता व्यक्त करते हैं। हिरासत में कथित दुराचार की यह घटना विधिसम्मत प्रक्रिया और मानवीय गरिमा के पालन को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। मौलाना अब्दुल्लाह सलीम से जुड़े कथित आपत्तिजनक बयान या किसी भी प्रकार की घृणास्पद भाषा का समर्थन नहीं किया जा सकता, लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि कानून का लागू होना निष्पक्ष और न्यायपूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए। आरोपों की प्रकृति चाहे जो भी हो, प्रत्येक व्यक्ति गरिमा, विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया तथा किसी भी प्रकार की यातना, उत्पीड़न या दुर्व्यवहार से सुरक्षा का अधिकार रखता है।

बंगाल में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने पर कड़ा एतराज जताया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने विशेष गहन पुनरीक्षण के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के एडवोकेट जनरल किशोर दत्ता से कहा कि ये राज्य सबसे ज्यादा ध्रुवीकरण वाला राज्य है। यहां हर कोई राजनीतिक भाषा बोलता है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को घेर कर बंधक बनाकर रखना न केवल उन न्यायिक अधिकारियों की गरिमा के खिलाफ है, बल्कि उच्चतम न्यायालय की गरिमा के खिलाफ भी है। दरअसल, पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के एक ब्लॉक डेवलपमेंट अफसर के कार्यालय में एक अप्रैल की शाम करीब साढ़े तीन बजे विशेष गहन पुनरीक्षण के काम में लगे सात न्यायिक अधिकारियों को घंटों बंधक बनाकर रखा गया। सात न्यायिक अधिकारियों में तीन महिला जज थीं। बंधक बनाने वालों के खिलाफ देर शाम तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के मुताबिक न तो डीएम और न ही एसपी मौके पर पहुंचे। उसके बाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को राज्य के डीजीपी को फोन कर जजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा गया। बाद में रात 12 बजे न्यायिक अधिकारियों को छोड़ा गया।

हनुमान जन्मोत्सव पर विभिन्न मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुए वीरेंद्र सचदेवा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा गुरुवार को चैत्र सुदी पूर्णिमा के अवसर पर दिल्ली के विभिन्न प्राचीन मंदिरों में आयोजित पूजा कार्यक्रमों में शामिल हुए और प्रदेश के नागरिकों को हनुमान जन्मोत्सव की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा चांदनी चौक स्थित पत्थर वाला हनुमान मंदिर पहुंचे और वहां पूजा अर्चना करके दिल्ली एवं देशवासियों की खुशहाली एवं खाड़ी में चल रहा युद्ध शीघ्र रूकने की प्रार्थना की ताकि महंगाई का असर दिल्ली वालों पर ना पड़े। वीरेंद्र सचदेवा के साथ विधायक एवं यमुनापार विकास बोर्ड अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली और स्थानीय निगम पार्षद सुमन कुमार गुप्ता ने भी पत्थरवाला मंदिर में दर्शन किये और महंत गौरव शर्मा से आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही सचदेवा ने कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में दर्शन किये और महंत सुरेश शर्मा का आशीर्वाद प्राप्त किया। वीरेंद्र सचदेवा ने पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेज-3, गीता कालोनी, कृष्णा नगर स्थित सिद्ध हनुमान मंदिरों में भी आयोजित हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए और एकत्र भक्तजनों को शुभकामनाएं दीं।

वीरेंद्र सचदेवा ने राघव चड्ढा को लेकर केजरीवाल पर लगाया कमजोर नेतृत्व का आरोप

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी (आआपा) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया जाना पार्टी के भीतर गहरे मतभेदों का संकेत है। वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी में असंतोष बढ़ रहा है और वरिष्ठ नेता उनसे दूरी बना रहे हैं। सचदेवा ने कहा कि चड्ढा को न सिर्फ पद से हटाया गया, बल्कि उन्हें सदन में बोलने का समय न देने की सिफारिश भी की गई, जो पार्टी के अंदरूनी हालात को उजागर करता है। उन्होंने आगे कहा कि पहले स्वाति मालीवाल और अब राघव चड्ढा जैसे प्रमुख नेता केजरीवाल से दूर हो गए हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने अरविंद केजरीवाल को "कमजोर नेता" बताते हुए कहा कि उनमें न तो विपक्ष का सामना करने का साहस है और न ही अपनी ही पार्टी के अंदर उठ रहे सवालों का जवाब देने की क्षमता। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अगर केजरीवाल में नैतिक जिम्मेदारी होती तो वे असहमति रखने वाले नेताओं पर स्पष्ट कार्रवाई करते, लेकिन वे ऐसा करने से बचते रहे हैं।

ग्रैंड वेनिस मॉल घोटाले में व्यवसायी सतिंदर भसीन की जमानत रद्द, सरेंडर का आदेश

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने ग्रेटर नोएडा के ग्रैंड वेनिस मॉल से जुड़े करोड़ों रुपये के कथित घोटाला मामले में व्यवसायी सतिंदर सिंह भसीन को मिली जमानत को निरस्त कर दी है। जस्टिस संजय करोल की अध्यक्षता वाली बेंच ने भसीन को एक हफ्ते में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि आरोपित ने 6 नवंबर, 2019 को मिली जमानत की शर्तों का पालन नहीं किया। ऐसे में जमानत के आदेश को निरस्त किया जाता है। कोर्ट ने कहा कि भसीन 12 महीने के बाद नियमित जमानत के लिए याचिका दायर कर सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि ट्रायल कोर्ट भसीन का पासपोर्ट देने से पहले उच्चतम न्यायालय की अनुमति लेगा। उच्चतम न्यायालय ने बेल बांड के रुप में भसीन की ओर से जमा किए गए पचास करोड़ रुपये के ब्याज को जब्त कर उसे नेशनल लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के यहां जमा करने का भी आदेश दिया। इस घोटाला में विभिन्न आरोपितों के खिलाफ करीब 46 एफआईआर दर्ज की गई हैं। भसीन और दूसरे आरोपितों के खिलाफ फ्लैट खरीददारों ने दिल्ली और उत्तर प्रदेश में एफआईआर दर्ज कराई है। भसीन की कंपनियों के खिलाफ नीलामी की प्रक्रिया शुरु की गयी थी।

पांच राज्यों की विस और 8 सीटों के उपचुनाव में प्रचार-निषेध अवधि व एग्जिट पोल पर रोक की घोषणा

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव तथा गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नागालैंड और त्रिपुरा की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए प्रचार-निषेध अवधि (साइलेंस पीरियड) और एग्जिट पोल से जुड़ी पाबंदियों की घोषणा की है। आयोग ने बताया कि प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126 (1)(बी) के तहत मतदान से 48 घंटे पहले किसी भी चुनाव क्षेत्र में टीवी, रेडियो या अन्य माध्यमों से चुनाव प्रचार सामग्री दिखाना प्रतिबंधित है। इस अवधि में किसी भी प्रकार का विचार, अपील या ओपिनियन पोल प्रसारित नहीं किया जा सकता। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार असम, केरल और पुडुचेरी में मतदान 9 अप्रैल को होगा, जबकि तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल और दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। इसके अनुरूप संबंधित राज्यों में प्रचार-निषेध अवधि लागू रहेगी।

मंत्री इंद्राज हनुमान जयंती पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह गुरुवार को हनुमान जयंती पर बवाना विधानसभा क्षेत्र के शाहबाद दौलतपुर, बवाना, औचंदी, कुतुबगढ़, जाट खोर एवं कृष्ण विहार में आयोजित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। शाहबाद दौलतपुर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान रविंद्र इंद्राज सिंह ने श्रीराम एवं हनुमान की भव्य प्रतिमाओं के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि हनुमान जी का जीवन हमें निःस्वार्थ सेवा, अटूट समर्पण और राष्ट्रहित के प्रति अडिग निष्ठा का संदेश देता है। बवाना, औचंदी एवं कुतुबगढ़ क्षेत्रों में श्रद्धालुओं द्वारा मंत्री को हनुमान जी की सुंदर तस्वीर एवं प्रतिमा भेंट की गई। इस अवसर पर मंत्री ने सभी का आभार

व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे स्नेह और आशीर्वाद से जनसेवा के प्रति उनका संकल्प और सशक्त होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु हनुमान असीम शक्ति, दृढ़ विश्वास और निस्वार्थ सेवा के प्रतीक हैं, जो हमें साहस, संयम और जनकल्याण के मार्ग पर निरंतर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं। जाट खोर क्षेत्र में आयोजित हवन कार्यक्रम में सम्मिलित होकर मंत्री ने प्रसाद वितरण में भाग लिया तथा श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ऐसे पावन आयोजन हमें सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक उत्तरदायित्व के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देते हैं तथा समाज में सकारात्मक ऊर्जा और एकजुटता को सुदृढ़ करते हैं। कृष्ण विहार विकास समिति द्वारा आयोजित सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या में सहभागिता करते हुए मंत्री ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने समिति एवं सभी श्रद्धालुओं को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने प्रदेशवासियों को हनुमान जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए प्रभु हनुमान से सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

राहुल गांधी ने उठाया सीएपीएफ में पदोन्नति का मुद्दा, बोले- नेतृत्व कर्ताओं को बाहर से लाना गलत

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) में जवानों की पदोन्नति का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि इन बलों में शीर्ष पद केवल आईपीएस अधिकारियों के लिए आरक्षित हैं और यह नीति उन जवानों का मनोबल तोड़ रही है जो देश की पहली रक्षा पंक्ति हैं। राहुल गांधी ने एक्स पर साझा किए वीडियो पोस्ट में असिस्टेंट कमांडेंट अजय मलिक का उदाहरण दिया, जिन्होंने नक्सली मुठभेड़ में आईईडी विस्फोट के दौरान अपना एक पैर खो दिया। उन्होंने कहा कि 15 वर्षों से अधिक सेवा के बावजूद मलिक को प्रमोशन नहीं मिला और अपनी ही फोर्स का नेतृत्व करने का अधिकार नहीं दिया गया। यह केवल एक अफसर की पीड़ा नहीं बल्कि लाखों जवानों का दर्द है, जो सीमाओं पर तैनात रहते हैं, आतंकवाद और नक्सलवाद से लड़ते हैं और चुनावों को सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने लिखा कि सरकार सर्वोच्च न्यायालय के सवालों और आपत्तियों के बावजूद इस व्यवस्था को स्थायी बनाने पर आमादा है। यह विधेयक केवल करियर रोकने का प्रयास नहीं बल्कि उन लोगों का मनोबल तोड़ने की कोशिश है जो देश की सुरक्षा में सबसे आगे खड़े हैं। जब हमारे सैनिकों का मनोबल टूटता है तो राष्ट्रीय सुरक्षा की नींव हिलती है। राहुल गांधी ने वीडियो में कहा कि बीएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ जैसे बलों की अपनी-अपनी विशेषज्ञता है और इन्हीं अफसरों को नेतृत्व मिलना चाहिए। बाहर से किसी को संगठन के शीर्ष पर बैठाने से उसकी आत्मा और वास्तविकता को समझना संभव नहीं होता। यह मूल रूप से गलत है और कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करती रही है।

प्रथम डॉ. विंदेश्वर पाठक स्मृति व्याख्यान आयोजित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः डॉ. विंदेश्वर पाठक की स्मृति में आयोजित प्रथम व्याख्यान को स्वामी अवधेशानंद गिरि ने संबोधित किया।उन्होंने डॉ. पाठक को सच्चा संत और दूरदर्शी बताते हुए कहा कि उनका जीवन मानव गरिमा, समानता और सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित रहा। सुलभ इंटरनेशनल के अध्यक्ष कुमार दिलीप ने कहा कि यह आयोजन डॉ. पाठक के अधूरे मिशन को आगे बढ़ाने का संकल्प है। उन्होंने 2027 से 'डॉ. बिंदेश्वर पाठक स्मृति पुरस्कार' शुरू करने की घोषणा की, जिसमें 11 लाख रुपये, स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। संयोजक नित्या पाठक ने स्वामीजी के प्रेरक विचारों के लिए

आभार जताया,जबकि उपाध्यक्ष डॉ. सुतीर्थ सहारिया ने कहा कि डॉ. पाठक ने स्वच्छता के माध्यम से सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा को नई दिशा दी। इस अवसर पर 'स्वच्छता के समाजशास्त्र' विषय पर सम्मेलन भी आयोजित हुआ,जिसकी अध्यक्षता प्रो. नील रतन ने की।देशभर के विद्वानों ने स्वच्छता को सामाजिक परिवर्तन,जनस्वास्थ्य और लैंगिक समानता का प्रमुख आधार बताया। यह आयोजन डॉ.पाठक की विरासत को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

राहुल गांधी ने लिखा प्रधानमंत्री को पत्र, कहा- एससी-एसटी एक्ट बचाओ आंदोलन के दौरान युवाओं पर दर्ज मुकदमे हों वापस

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से 2018 में एससी-एसटी अधिनियम बचाने के लिए हुए आंदोलन में दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग की है। साथ ही देश में दलित समाज के संस्थागत उत्पीड़न और ईमानदार दलित अधिकारियों के साथ हो रहे भेदभाव के मुद्दे पर भाजपा सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए राष्ट्रपति से उत्तर प्रदेश के आईएएस रिंकू सिंह राही का इस्तीफा स्वीकार न करने की मांग उठाई है। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने बताया कि 02 अप्रैल 2018 को देशभर के एससी-एसटी युवाओं ने एससी-एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम को बचाने के लिए संवैधानिक आंदोलन किया था। उन्होंने कहा कि इस दौरान पुलिस और जातिवादी तत्वों की गोलीबारी में 14 युवाओं की मौत हो गई थी। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि युवाओं ने संवैधानिक तरीके से आंदोलन किया था, लेकिन उनके खिलाफ पूरे देश में मुकदमे दर्ज किए

गए और वे आज भी अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि आंदोलन के दौरान युवाओं पर दर्ज मुकदमे तुरंत वापस लिए जाएं। इसके साथ ही राहुल गांधी ने कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी इन युवाओं के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है।

अभिनेता राजपाल यादव के खिलाफ चेक बाउंस मामले में हाई कोर्ट का फैसला सुरक्षित

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने चेक बाउंस के मामले में बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव के खिलाफ दर्ज मामले की सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। गुरुवार को कोर्ट ने इस मामले में दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोशिश की, लेकिन प्रयास असफल रहा। उसके बाद जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने फैसला सुरक्षित रखने का आदेश दिया। आज सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों को समझौते के लिए बीच में सुनवाई बंद की। जब सुनवाई दोबारा शुरु हुई तो मुरलीधर प्रोजेक्ट्स ने कहा कि पौने आठ करोड़ अभी बाकी हैं। उन्होंने कहा कि ट्रायल कोर्ट के समक्ष राजपाल यादव ने दो करोड़ रुपये जमा किए थे। तब कोर्ट ने कहा कि वो रकम एडजस्ट करना होगा। मुरलीधर प्रोजेक्ट्स ने कहा कि सवा छह करोड़ में केस खत्म किया जाए। तब राजपाल के वकील ने कहा कि पौने छह करोड़

ही बाकी हैं। तब कोर्ट ने कहा कि छह करोड़ रुपये 18 दिनों में दीजिए। तब राजपाल के वकील ने कहा कि वे 17 करोड़ ले चुके हैं। मैं दोबारा कोर्ट जाने को तैयार हूं। हमें पांच बार और जेल भेज दीजिए। आखिरकार दोनों पक्षों में कोई समझौता नहीं हो सका। सुनवाई के दौरान राजपाल यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में उपस्थित हुए। इसके पहले 18 मार्च को राजपाल यादव की ओर से कहा गया कि उन्होंने मुरलीधर प्रोजेक्ट्स को सवा चार करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया था। कोर्ट ने 16 फरवरी को राजपाल यादव को 18 मार्च तक की अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। 5 फरवरी को उच्च न्यायालय ने राजपाल यादव को कोई भी राहत देने से इनकार करते हुए तुरंत आत्मसमर्पण करने को कहा था, जिसके बाद राजपाल यादव ने जेल में आत्मसमर्पण कर दिया था। राजपाल यादव को कड़कड़डूमा कोर्ट ने चेक बाउंस के एक मामले में दोषी करार देते हुए सजा सुनाई थी। हालांकि, जून 2024 में उच्च न्यायालय ने सजा को निलंबित कर दिया था। उच्च न्यायालय ने कहा था कि राजपाल यादव आदतन अपराधी नहीं हैं इसलिए उनकी सजा निलंबित की जाती है। दरअसल, कड़कड़डूमा कोर्ट ने चेक बाउंस केस में दोषी करार देने के बाद राजपाल यादव पर एक करोड़ 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। कड़कड़डूमा कोर्ट ने बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव की पत्नी राधा पर भी 10 लाख रुपये प्रति केस जुर्माना लगाया था। दोनों को चेक बाउंस से जुड़े सात मामलों में यह सजा सुनाई गई थी। शिकायतकर्ता मुरली प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड ने कोर्ट को बताया था कि राजपाल ने अप्रैल 2010 में फिल्म अता पता लापता पूरी करने के लिए कंपनी से मदद मांगी थी। 30 मई 2010 में दोनों के बीच करार हुआ और उन्होंने राजपाल यादव की कंपनी को 5 करोड़ का लोन दे दिया। करार के मुताबिक राजपाल को ब्याज सहित आठ करोड़ रुपये लौटाने थे, लेकिन वह पहली बार ये रकम नहीं लौटा सके। उसके बाद दोनों के बीच तीन बार करार का नवीनीकरण हुआ। नौ अगस्त 2012 को अंतिम करार में आरोपित राजपाल यादव ने शिकायतकर्ता को 11 करोड़ 10 लाख 60 हजार 350 रुपये लौटने की सहमति भी थी। राजपाल यादव की कंपनी यह भी पैसा देने में नाकाम रही। अपने बचाव में राजपाल यादव ने कोर्ट को बताया था कि उन्होंने मुरली प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड से कोई उधार नहीं लिया था। राजपाल यादव के मुताबिक मुरली प्रोजेक्ट की कंपनी में पैसा निवेश किया था, लेकिन कड़कड़डूमा कोर्ट ने उनकी दलील को अस्वीकार करते हुए उन्हें चेक बाउंस का दोषी पाया था।

डीएचसीबीए ने हर माह के पहले और तीसरे शनिवार को हड़ताल पर रहने का आह्वान किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन (डीएचसीबीए) ने हर माह के पहले और तीसरे शनिवार को हड़ताल पर रहने का आह्वान किया है। उच्च न्यायालय के वकीलों ने शनिवार को भी कोर्ट में न्यायिक काम जारी रहने के फैसले को लेकर नाराजगी जतायी है। दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने 2 अप्रैल को जारी नोटिस में महीने के पहले और तीसरे शनिवार को न्यायिक कार्यों के बहिष्कार का आह्वान किया है। नोटिस में हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने सर्वसम्मति से कहा है कि 4 अप्रैल से न्यायिक कार्यों का बहिष्कार किया जाएगा। बार एसोसिएशन ने कहा है कि उच्च न्यायालय के प्रशासन को कई बार इस संबंध में प्रतिवेदन देकर अनुरोध किया गया कि शनिवार को न्यायिक कार्य अनिवार्य रुप से करने के फैसले पर पुनर्विचार किया जाए लेकिन उच्च न्यायालय प्रशासन ने फैसले पर कोई पुनर्विचार नहीं किया। दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा कि कार्यकारिणी को वकीलों की ओर से ये शिकायतें मिल रही थीं कि

शनिवार को कोर्ट के चलते रहने से कई व्यावहारिक परेशानियां उत्पन्न हो रही हैं। इससे वकीलों का प्रोफेशनल शेड्यूल बिगड़ गया है। वकील विभिन्न ट्रिब्यूनल्स, आर्बिट्रेशन, मध्यस्थता और दिल्ली के बार के कोर्ट का काम नहीं कर पा रहे हैं। इसके अलावा वकीलों को केस की तैयारी के लिए समय और मुवक्किल के साथ मीटिंग में भी दिक्कतें आ रही हैं। कुल मिलाकर वकीलों को अपने प्रोफेशनल दक्षता में परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। 15 जनवरी को दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक नोटिफिकेशन जारी किया, जिसमें कहा गया था कि हर महीने के पहले और तीसरे शनिवार को कोर्ट न्यायिक कार्य करेगी। इसके पहले उच्च न्यायालय में कुछ अपवादों को छोड़कर शनिवार को न्यायिक कार्य नहीं होते थे यानी कोर्ट में सुनवाई नहीं होती थी।

मुख्यमंत्री ने करोल बाग स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हनुमान जन्मोत्सव पर करोल बाग स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने प्रभु श्रीराम के परम भक्त, अंजनीपुत्र हनुमान जी से दिल्ली के प्रत्येक परिवार के लिए सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम के प्रति हनुमान की अखंड भक्ति, निस्वार्थ सेवा और अद्वितीय पराक्रम सनातन जीवन मूल्यों का सर्वोच्च आदर्श हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि जब हृदय में राम का स्मरण हो, तो हर संकट स्वयं ही दूर हो जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट मोचन हनुमान की कृपा से सभी के जीवन में साहस, सेवा, संयम और समर्पण का संचार हो। उन्होंने सभी को हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हनुमान की भक्ति, शक्ति और सेवा के प्रतीक उनके उच्च आदर्श हमें कर्म के प्रति अटूट निष्ठा और लोककल्याण की प्रेरणा देते हैं। अंजनीपुत्र का स्वरूप हमें यह बोध कराता है कि परम विनम्रता और अदम्य साहस से बड़े से बड़े संकटों पर विजय प्राप्त की जा सकती है।

दिल्ली आबकारी घोटाला : ईडी की याचिका पर आरोपितों को जवाब देने का अंतिम मौका

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश में जांच एजेंसी पर की गई टिप्पणियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने सभी आरोपितों को जवाब दाखिल करने के लिए अंतिम अवसर प्रदान किया है। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 22 अप्रैल को करने का आदेश दिया। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत 23 आरोपितों को बरी करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश पर की गई टिप्पणियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने सभी आरोपितों को जवाब दाखिल करने के लिए अंतिम अवसर प्रदान किया है। गुरुवार को

सुनवाई के दौरान आरोपितों की ओर से पेश वकील ने जवाब दाखिल करने के लिए समय देने की मांग की। तब ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा कि इस मामले में जवाब देने की कोई जरुरत नहीं है। तब कोर्ट ने कहा कि आरोपितों की ओर से जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया जाएगा। अगर जवाब दाखिल नहीं किया तो जवाब दाखिल करने का अधिकार खत्म कर दिया जाएगा। 22 अप्रैल को दलीलें सुनी जाएंगी। कोर्ट ने 10 मार्च को ईडी की याचिका पर सुनवाई करते हुए केजरीवाल समेत सभी आरोपितों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है कि जांच एजेंसी के खिलाफ सामान्य टिप्पणी की गई है। इसके पहले 9 मार्च को कोर्ट ने सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) के मामले में ट्रायल कोर्ट की ओर से सीबीआई पर की गई प्रतिकूल टिप्पणियों पर रोक लगा दी है। उच्च न्यायालय ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया है कि वो दिल्ली आबकारी घोटाला मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले की आगे सुनवाई नहीं करें। इस आदेश के बाद ईडी ने भी दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। 9 मार्च को सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि ये दिल्ली के इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के आदेश को कानूनों के मुताबिक गलत बताते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की थी। 27 फरवरी को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सभी आरोपितों को बरी करने का आदेश दिया था। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि चार्जशीट में काफी विरोधाभास हैं। कोर्ट ने कहा कि हजारों पेन्नों के चार्जशीट में जो तथ्य पेश किए गए हैं वे गवाहों के बयानों से मेल नहीं खाते। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में मनीष सिसोदिया करीब 530 दिन जेल में रहे। अरविंद केजरीवाल दो बार के अंतराल में 156 दिन जेल में रहे। केजरीवाल 13 सितंबर 2024 को तब रिहा हुए जब उच्चतम न्यायालय ने सीबीआई के मामले में जमानत दी। ईडी ने 21 मार्च 2024 को अरविंद केजरीवाल को पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। 10 मई 2024 को उच्चतम न्यायालय ने केजरीवाल को एक जून 2024 तक की अंतरिम जमानत दी थी, जिसके बाद केजरीवाल ने 2 जून 2024 को आत्मसमर्पण किया था। केजरीवाल को 26 जून 2024 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने 10 मई 2024 को छठी पूरक चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें बीआरएस नेता के कविता, चनप्रीत सिंह, दामोदर शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद सिंह को आरोपित बनाया गया। कोर्ट ने 29 मई को छठी पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। 27 अगस्त को उच्चतम न्यायालय ने के. कविता को सीबीआई और ईडी के मामले में जमानत दी थी। उच्चतम न्यायालय ने 13 सितंबर 2024 को केजरीवाल को सीबीआई के मामले में नियमित जमानत दी थी। उसके पहले उच्चतम न्यायालय ने 12 जुलाई 2024 को ईडी के मामले में केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी थी।

संक्षिप्त समाचार

सामाजिक कार्यकर्ता ने शुरू किया पॉडकास्ट स्टूडियो

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः गजरौलाः गुरुवार को दिल्ली नोएडा मेट्रो शहरों की तरह अब अपने गजरौला शहर में भी पॉडकास्ट स्टूडियो की शुरुआत सामाजिक कार्यकर्ता तेजवीर सिंह अलुना ने की है, पॉडकास्ट स्टूडियो का उद्घाटन नौगांवा सादात से विधायक समरपाल सिंह एवं अन्य लोगों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया, इस मौके पर विधायक समरपाल सिंह ने कहा कि तेजवीर सिंह अलुना जैसे पहले से वंचित और जरूरतमंदों की आवाज उठाते आए हैं भविष्य में अपने पॉडकास्ट का स्टूडियो की माध्यम से और भी मजबूती से उठाएंगे, आपको अवगत कराते चले की पॉडकास्ट स्टूडियो का कॉन्सेप्ट पहली बार गजरौला में आया है आज इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ शिक्षाविद सरदार जगजीत सिंह,कैप्टन सूदन सिंह, मूलचंद सिंह सेठ, डॉक्टर रिकांशु चौधरी, डॉक्टर हिमानी चौधरी, हर्षिता, प्रतीक धारीवाल, मोहित,नरेंद्र सिंह ,राजवीर सिंह आदि उपस्थित रहे,

दुग्धाभिषेक कर किया 101 बार हनुमान चालीसा का पाठ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः गजरौला। गुरुवार को भरतिया समूह के श्री राम मंदिर परिसर में स्थित नवनिर्मित श्री हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया गया। बजरंग बली को दुग्धाभिषेक कर चोला चढ़ाया गया। भव्य आरती के साथ ही 101 बार हनुमान चालीसा एवं सुंदर कांड का पाठ भी किया गया। बृहस्पतिवार को हाईवे किनारे स्थित श्री राम मंदिर परिसर में बने श्री हनुमान मंदिर में पंडित मोहन मिश्र ने पूजन-अनुष्ठान कराया। इस मौके पर जुबिलेंट इंग्रेविया में यूनिट हेड विनोद झा, रंजना झा, निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित, एचआर हेड पुनीत तिवारी, आरए शर्मा, पवन दहिया, पीके उपाध्याय, एएन राय, कपिल जोशी, वीरेंद्र सिंह नेगी, एनके तोमर, ममता गुप्ता आदि मौजूद रहे।

रामराज्य में मातम भी महफूज नहीं! बाराबंकी में तीजे पर टूटी दरिंदगी-पुलिस की चुप्पी से दबंगों के हौसले बुलंद"

लोक तंत्र की शान : अब्दुल्लाह खान ,"थाने में FIR नहीं, बाहर खुलेआम गुंडागर्दी—पीड़ित दर-दर, हमलावर बेखौफ... क्या सिस्टम ने ही अपराधियों को दी ढाल?" बाराबंकी जनपद के फतेहपुर थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जहां एक ओर परिवार में मौत का मातम था, वहीं दूसरी ओर तीजे की रस्म के दौरान ही विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।पीड़ित मो. सालिम के अनुसार, उनकी बहन आफरीन बानो के पति मोहम्मद जुबेर की 30 मार्च 2026 को मृत्यु हो गई थी। 1 अप्रैल को तीजे के मौके पर जब मायके पक्ष के लोग पहुंचे, तभी ससुराल पक्ष के लोगों ने कथित तौर पर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मामला इतना बढ़ गया कि लाठी-डंडों और घूंसों से जमकर मारपीट की गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। आरोप है कि इस पूरी घटना के बाद भी जब थाना फतेहपुर में शिकायत दी गई, तो कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे आक्रोशित पीड़ित पक्ष को पुलिस अधीक्षक के पास गुहार लगानी पड़ी, जहां से कार्रवाई का आश्वासन मिला है।इस घटना ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है— क्या अब न्याय पाने के लिए हर पीड़ित को थाने से नहीं, सीधे एसपी ऑफिस का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा ?लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों से यह भी सवाल उठ रहा है कि क्या थानों में FIR दर्ज करना अब आसान नहीं रह गया है, और क्या यही वजह है कि दबंगों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं।

भारतीय किसान मजदूर यूनियन दशहरी संगठन द्वारा सदस्यता अभियान चलाया गया

लोक तंत्र की शान : अब्दुल्लाह खान : जिसमें प्रदेश सचिव/ जिलाध्यक्ष बाराबंकी निहाल अहमद सिद्दीकी ने मोहम्मद रिजवान जिला उपाध्यक्ष, सरवन यादव जिला सचिव, मुकेश रावत जिला मंत्री, मोहम्मद नसीम जिला मंत्री डॉक्टर हाशिम देवा ब्लॉक उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त कर किसानों मजदूरों की जनहित की समस्याओं को उजागर कर अधिकारियों तक पहुंचा कर समस्याओं का निस्तारण करना है दशहरी संगठन का एक-एक पदाधिकारी व सदस्य सिर्फ पाधिकारी या सदस्य नहीं है दशहरी संगठन एक परिवार है और हम सभी उस परिवार का हिस्सा है इसी क्रम मे मुकेश रावत ने कहा जो जिम्मेदारी हमें दी है उसे हम पूर्ण रूप से निभाएंगे। तथा जल्द ही रेलवे स्टेशन पर होने वाले प्रदर्शन में मजबूती के साथ पहुंचकर प्रदर्शन को सफल बनाया जाएगा साथ ही नियज, परशुराम, साहिल, अभिषेक, रिजवान, अभिषेक, मोइनुद्दीन, समीर, जीशान, सलमान, सुल्तान, अरुण, शिवचरण, हाशिम शिवचरण, अरुण आदि कई लोगों को सदस्य नियुक्त किया गया है मुख्य रूप से मौजूद रहे अयोध्या मंडल महामंत्री सुशील कुमार यादव, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सीनियर एडवोकेट रमेश चंद्र वर्मा जी, राहुल मिश्रा एडवोकेट, निधीश प्रताप सिंह एडवोकेट, सैयद जुहर दानिश एडवोकेट, के पी पांडे एडवोकेट मोहम्मद साहिल आदि कई लोग मौजूद रहे

कैम्प कार्यालय परिसर में हनुमान चालीसा के पाठ से नाराज़ हुए नगर आयुक्त हिन्दू संगठन कार्यकर्ताओ पर कराई एफआईआर

लोक तंत्र की शान : मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्माः मुरादाबाद नगर आयुक्त कैम्प कार्यालय परिसर में हिन्दू संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा अपनी मांगों को लेकर हनुमान चालीसा का पाठ करना उस समय भारी पड़ गया ,जब नगर निगम प्रशासन की तहरीर पर थाना सिविल में एक नामजद और 50-60 कार्यकर्ताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया गया दरअसल मुरादाबाद में गो संरक्षण सहित अन्य मांगो को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल से जुड़े कार्यकर्ताओ ने कल दोपहर पीली कोठी स्थित नगर आयुक्त कैम्प कार्यालय परिसर में जमा होकर एक ज्ञापन सौपने के पूर्व जमीन पर बैठ कर हनुमान चालीसा का पाठ किया था,,,हिन्दू संगठन द्वारा इस तरह से अपनी मांगों को रखने से नगर आयुक्त की नाराजगी आज उस समय सामने आई, जब उनकें खिलाफ़ एक नामजद कार्यकर्ता और 50-60 अज्ञात लोगों के खिलाफ हंगामा करने की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करा दियाजिसके बाद से हिन्दू संगठन में उबाल है

हसनपुर नगर पालिका के नामित सभासदों को एसडीएम ने दिलाई शपथ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गुरुवार को नगर पालिका परिषद हसनपुर के सभागार में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया, जिसमें शासन द्वारा नामित नए सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। उपजिलाधिकारी हिमांशु उपाध्याय ने सभी नामित सदस्यों को कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाकर उनके कार्यकाल की औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी और पालिकाध्यक्ष राजपाल सैनी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि सरकार ने भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओं को नामित कर उन्हें जनसेवा का बड़ा अवसर दिया है। प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को गति दे रही है और इन नए सदस्यों के आने से विकास की रफ्तार और बढ़ेगी। पालिकाध्यक्ष राजपाल सैनी ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि नामित सभासदों के आने से अब सदन में सदस्यों की संख्या 25 से 30 हो गई है। उन्होंने कहा, "अब हमारा परिवार बड़ा हो गया है। हम सभी को साथ लेकर नगर के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।" उन्होंने अपने पिछले कार्यों का उल्लेख करते हुए भविष्य में भी शहर की सूरत बदलने का संकल्प दोहराया। शपथ लेने वाले नामित सभासदों में वीर सिंह एडवोकेट,मानवी त्यागी,ज्योति गर्ग,अजयपाल,पंकज भटनागर शामिल रहे। समारोह में मुख्य रूप से पूर्व पालिका अध्यक्ष हरि सिंह सैनी, देवेंद्र खड़गवंशी, ई ओ विजयपाल सिंह, मयंक अग्रवाल, शिखर अग्रवाल, पूर्व प्रमुख महावीर सिंह, मोहसिन खान, जुनेद खान, शराफत मलिक आदि सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

आज लखनऊ के ऐतिहासिक छोटा इमामबाड़ा में 'हैदरी टास्क फोर्स' द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा आयोजित

लोक तंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान रिपोर्टर

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर शहीद आयतुल्लाह सैयद अली खामेनेई साहब की स्मृति में एक श्रणद्धांजलि सभा आयोजित की गई थी जिसकी अध्यक्षता मौलाना कलबे जववाद साहब क़िबला ने की संचालन मौलाना यासूब अब्बास साहब ने की कार्यक्रम में ईरान के सर्वोच्च नेता के भारत में प्रतिनिधि डॉ. अब्दुल मजीद हकीम साहब और मौलाना यासूब अब्बास साहब, टीले वाली मस्जिद के शाही इमाम मौलाना फज़लूर रहमान वाइज़ी ने किया इस मौके प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस अजय राय, आल इण्डिया मजलिस इत्तीहादुल मुसलमीन के प्रवक्ता आसिम वकार ने भी ख़िताब किया इस मौके पर सभी लोगो ने अमेरिका इज़राइल की बदतमीज़ी और उनके द्वारा किये जा रहे जुल्म के खिलाफ मज़ाम्मत की अजय राय ने कहा की आज बहुत अरसे बाद उलेमा के साथ मानवता और शांति के संदेश को साझा करने का अवसर मिला

आसिम वक़ार ने कहा की -शहीदों की कुर्बानी हमेशा हमें न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है इसके अलावा लखनऊ और आस पास की तमाम हस्तियाँ और एक बड़ा हुजूम इकठ्ठा हुवा

श्री राम भक्त सेवा समिति के तत्वाधान में बालाजी महाराज की भव्य शोभा यात्रा को लेकर बैठक आयोजित की गई

» शोभा यात्रा की तैयारियों पर हुआ मंथन, 9 अप्रैल को निकलेगी भव्य शोभा यात्रा

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। आज शाम को 7:30 बजे श्री बालाजी महाराज के जन्मोत्सव की शोभा यात्रा के संबंध में एक विशेष बैठक की गई। निवास केथ वाली मस्जिद पर शोभा यात्रा की नई तिथि के संबंध में एक अति आवश्यक विशेष बैठक दिनांक 1 अप्रैल 2026 को रखी जिसमें ताकि नई डेट रखकर शोभा यात्रा की व्यवस्था की जा सके आप सभी से निवेदन है कि निकलने वाली शोभायात्रा में सभी भक्त श्रद्धालु शोभा यात्रा की शोभा बढ़ाएं। श्री बालाजी महाराज का आशीर्वाद ले श्री राम भक्त सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित होने वाली श्री बालाजी महाराज की भव्य शोभा यात्रा को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक समिति के अध्यक्ष सुशील अग्रवाल एवं महामंत्री पंकज अग्रवाल के निवास पर संपन्न हुई। बैठक में समिति के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने शोभा यात्रा की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की और कार्यक्रम को भव्य रूप देने का संकल्प लिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि श्री बालाजी महाराज की भव्य शोभा यात्रा आगामी 9 अप्रैल दिन गुरुवार को नगर में पूरे धार्मिक उत्साह एवं धूमधाम के साथ निकाली जाएगी। समिति ने शोभा यात्रा को लेकर मार्ग व्यवस्था, सुरक्षा, सजावट, झांकियों, भजन मंडलियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के विषय में गहन विचार-विमर्श किया।

मुरादाबादः सालाना मजलिस को लेकर डीआईजी कार्यालय में अहम बैठक, सिरसी के पूर्व चेयरमैन चौधरी मोहम्मद उरूज आलम की रही प्रमुख भूमिका

लोक तंत्र की शान

मुरादाबाद/नजीबाबाद दरगाहे आलिया नजफे हिन्द जोगीपुरा में 21, 22, 23 और 24 मई 2026 को आयोजित होने वाली सालाना मजलिस की तैयारियों के मद्देनज़र डीआईजी कार्यालय मुरादाबाद में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस दौरान दरगाह के प्रशासक मौलाना शबाब हैदर नकवी साहब ने डीआईजी साहब से मुलाकात कर उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की। इस बैठक में सिरसी के पूर्व चेयरमैन चौधरी मोहम्मद उरूज आलम की भूमिका सबसे अहम रही। उनके विशेष प्रयासों और पहल पर ही यह मुलाकात संभव हो सकी। उन्होंने मजलिस के दौरान आने वाली संभावित समस्याओं, ज़ायरीनों की भीड़, सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से प्रशासन के सामने रखा। डीआईजी साहब ने सभी बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि सालाना मजलिस के दौरान प्रशासन की ओर से पूरा सहयोग दिया जाएगा और व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। इस मौके पर तौकीर हैदर जाफरी, सीरत उरूज, नौगांव सादात से आए शाहबाज अली, शहजाद अली और इमरान आबदी भी मौजूद रहे, जिन्होंने इस मुलाकात को सफल बनाने में सहयोग दिया। बैठक का माहौल सकारात्मक रहा और खासतौर पर सिरसी के पूर्व चेयरमैन चौधरी मोहम्मद उरूज आलम के प्रयासों की सराहना की गई। उनके नेतृत्व में प्रशासन और दरगाह प्रबंधन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हुआ है, जिससे आगामी मजलिस के सफल आयोजन की उम्मीद और भी मजबूत हो गई है।

नजीबाबाद प्रीमियर लीग सीजन - 4 क्रिकेट टूर्नामेंट का पांचवा दिन

» रोडवेज टीम ने और पीडब्ल्यूडी टीम ने जीते मैच

लोक तंत्र की शान

नजीबाबाद। नेशनल एंटी करप्शन सोल्जर ट्रस्ट द्वारा आयोजित नजीबाबाद प्रीमियर लीग सीजन - 4 क्रिकेट टूर्नामेंट के पांचवें दिन रोडवेज टीम और डाक विभाग के बीच पहले मुकाबला रहा। रोडवेज टीम ने मैच जीता। बृहस्पतिवार को सर्वप्रथम परिवहन निगम के एआरएम सत्यम सिसोदिया ने झंडारोहण किया गया एवं प्रकृति अग्रवाल, शगुन प्रजापति, मायांशी कश्यप, यशस्वी, ईशानी, परविंदर कौर इशिका आदि द्वारा राष्ट्रगान किया गया। जिसके पश्चात दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी गई। अंपायर फाजिल अली व विनीत कुमार की निगरानी में दोनों टीम के बीच मैच खेला गया। रोडवेज टीम ने टॉस जीतकर, पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया तथा 10 विकेट के नुकसान पर निर्धारित 20 ओवर में 219 रन बनाकर जीत हासिल की। डाक विभाग 17.4 ओवर में 188 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। रोडवेज टीम से अरुण कुमार कप्तान ने 26 बॉल पर 38 रन बनाए। और विजेंद्र सिंह ने 23 बॉल में 31 रन बनाए और रोहित ने 5 विकेट लिए और 13 रन बनाए और रोडवेज टीम से रोहित मैन ऑफ द मैच रहे व डाक विभाग टीम से हर्षित ने 19 बॉल में 43 रन बनाए और फाइटर ऑफ़ द मैच रहे। और हाजी मोहम्मद विसाल व राजा अंसारी पूर्व चैयरमैन नहटौर ने संयुक्त रूप से रोहित को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी व हर्षित को फाइटर ऑफ द मैच की ट्रॉफी दी। टूर्नामेंट में मो0 अहसान और सुखदेव सिंह द्वारा मैच की शानदार कमेंट्री की गई। पांचवें दिन का दूसरा मैच पीडब्लूडी टीम और तहसील टीम के बीच खेला गया। पीडब्लूडी ने मैच जीता। अंपायर फाजिल अली व विनीत कुमार की निगरानी में दोनों टीम के बीच मैच खेला गया। पीडब्लूडी ने टॉस जीतकर, पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया तथा 366 रन बनाकर जीत हासिल की। तहसील टीम निर्धारित 20 ओवर में 248 रन बनाकर 9 विकेट के नुकसान पर आउट हो गई। पीडब्लूडी टीम से गौरव चौधरी ने 66 बॉल पर 201 रन बनाए। पीडब्लूडी टीम से गौरव चौधरी मैन ऑफ द मैच रहे व तहसील टीम से सौरभ सिंह फाइटर ऑफ़ द मैच रहे। हाजी मौ० विसाल ने गौरव चौधरी को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी व सौरभ सिंह को फाइटर ऑफ द मैच की ट्रॉफी दी। टूर्नामेंट में मोहम्मद अहसान और सुखदेव सिंह द्वारा मैच की शानदार कमेंट्री की गई। कल होने वाले सेमीफाइनल मैं पहला मैच बैंक विभाग और पीडब्ल्यूडी के बीच खेला जाएगा तथा दूसरा मैच बार एसोसिएशन और रोडवेज के बीच खेला जाएगा टूर्नामेंट का फाइनल 5 अप्रैल 2026 को होगा। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल, अल्ताफ हुसैन, दानिश मंसूरी, विनीत कुमार विक्की, आदित्य विक्की, राजा अंसारी पूर्व चैयरमैन नहटौर, सलमान कुरैशी एडवोकेट, जावेद, खुर्शीद, रोबिन, परवेज, हिना अग्रवाल, विनीता आदी रहे। क्रिकेट टूर्नामेंट का लाइव प्रसारण यूट्यूब के जीटी स्पोर्टस चैनल पर चलाया जा रहा है।

समाज को जोड़ने और भारत की आस्था को सम्मान देने का माध्यम बना था आकाशवाणीः मुख्यमंत्री

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ आकाशवाणी की 88 वर्ष की यात्रा को शानदार बताया है। उन्होंने कहा कि हमारे बचपन में स्मार्टफोन-टेलीविजन नहीं थे। लैंडलाइन फोन भी एकाध ही थे, उस समय सबसे पहली आवाज आकाशवाणी की सुनी थी। सुबह आकाशवाणी का कार्यक्रम भरत चले चित्रकूट धुन से प्रारंभ होता था। हम लोगों ने बचपन में सुना और देखा कि आकाशवाणी समाज को जोड़ने और भारत की आस्था को सम्मान देने का माध्यम बना। समाचार पत्रों की हेडलाइंस भी अलग-अलग समय में चलने वाले बुलेटिनों के माध्यम से पता चलती थी। उसमें भाषा की शुद्धता, समाचार की गुणवत्ता और सच्चाई भी झलकती थी। कहीं भी पीत पत्रकारिता नजर नहीं आती थी। जो जैसा है, वैसा प्रस्तुत करने का साहस था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम योगी ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों और आकाशवाणी के वरिष्ठ लोक सेवा प्रसारकों को भी सम्मानित किया। इस दौरान आकाशवाणी लखनऊ की यात्रा पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई।

वी विन कंपनी के कर्मचारियों की मांगों पर यूपीडेस्को की कार्रवाई

» एजेंसी को भेजा नोटिस, वेतन व अन्य सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश

लोक तंत्र की शान

लखनऊ। वी विन प्रा. लिमिटेड कंपनी के कर्मचारियों की मांगों पर उत्तर प्रदेश डेवलपमेंट सिस्टम्स कॉरपोरेसन लिमिटेड (यूपीडेस्को) ने तत्काल कार्रवाई की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए यूपीडेस्को की एमडी नेहा जैन द्वारा कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यूपीडेस्को ने कर्मचारियों का वेतन एवं अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए सख्त निर्देश भी दिए हैं। नोटिस में एजेंसी से स्पष्ट कहा गया है कि सीएम हेल्पलाइन 1076 एक अत्यंत महत्वपूर्ण जनसेवा परियोजना है, जिसमें किसी भी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं है। इसके संचालन में किसी भी प्रकार की चूक गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। यूपीडेस्को ने एजेंसी को निर्देशित किया है कि वह तत्काल कर्मचारियों का वेतन व अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करे और हेल्पलाइन की सेवाओं को पूर्ण क्षमता के साथ संचालित करे। इस संबंध में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर एजेंसी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एजेंसी से पूरे घटनाक्रम पर विस्तृत स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। **वर्जन-**"इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया गया है। इस संबंध में कॉल सेंटर एजेंसी वी विन प्रा. लिमिटेड को भेजे गए नोटिस में यूपीडेस्को ने सीएम हेल्पलाइन 1076 के कर्मचारियों को निर्धारित वेतन व अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर एजेंसी के खिलाफ आवश्यक कठोर कार्रवाई की जाएगी।" **- नेहा जैन, एमडी, यूपीडेस्को**

बाराबंकी के लिए गौरव का क्षणः रोहन गुप्ता का पीसीएस में चयन, सेल टैक्स ऑफिसर बनेंगे

लोक तंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान

बाराबंकी। जनपद के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि शहर के कटरा मोहल्ला निवासी होनहार युवा रोहन गुप्ता का उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीसीएस) परीक्षा में चयन हुआ है। चयनित होने के पश्चात रोहन गुप्ता अब सेल टैक्स ऑफिसर के पद पर अपनी सेवाएं देंगे। उनके इस उल्लेखनीय उपलब्धि से पूरे बाराबंकी जनपद में खुशी और उत्साह का माहौल है। समाजसेवी व भाजपा नेता पंकज गुप्ता 'पंकी' ने रोहन गुप्ता के आवास पहुंचकर उनका सम्मान किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि रोहन गुप्ता की सफलता न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे वैश्य समाज एवं बाराबंकी जनपद के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि यह बाराबंकी के लिए अत्यंत गौरवान्वित करने वाला क्षण है, जब एक साथ एक दर्जन से अधिक प्रतिभाशाली युवाओं ने पीसीएस जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। वैश्य समाज के युवाओं का शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ना समाज की प्रगति और जागरूकता का प्रतीक है। पंकज गुप्ता 'पंकी' ने विश्वास व्यक्त किया कि रोहन गुप्ता अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए जनपद का नाम और अधिक रोशन करेंगे तथा अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगे। रोहन गुप्ता की इस उपलब्धि पर सिद्धार्थ कनौजिया अध्यक्ष इण्डियन स्टूडेंट पॉवर, आशीष सिंह आनंद, जगमग इंडस्ट्री के चेयरमैन दिलीप वर्मा, शशि गुप्ता, रामानंद गुप्ता, आर्यन गुप्ता सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों, समाज के प्रतिनिधियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

संक्षिप्त समाचार

'एक इंसान से रिश्ता खराब होने पर मर जाऊं क्या'

लोकतंत्र की शान : पटना। भोजपुरी के पावर स्टार पवन सिंह और ज्योति सिंह के तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। 25 मार्च को सुनवाई के दौरान पवन सिंह ने कहा था, 'ज्योति ने न सिर्फ मुझे परेशान किया है, बल्कि क्रूर तरीके से मेरे परिवार को तोड़ने की कोशिश भी की है। शादी के बाद से ही मुझे लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। अब हम दोनों के एक साथ रहने का कोई चांस नहीं है।' पवन सिंह की इस पहल के बाद ज्योति सिंह का पहला रिएक्शन आया है। उन्होंने 3 मिनट का वीडियो जारी कर अपनी बात रखी है। ज्योति सिंह ने साफ तौर पर कहा है कि एक इंसान से अगर रिश्ता खराब हो जाए तो जिंदगी जीना नहीं छोड़ सकती। उसके लिए जान नहीं दिया जा सकता है। ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर तंज भी किया। ज्योति ने कहा कि मुझे मर कर देवी नहीं बनना है। दरअसल पवन सिंह ने एक रियलिटी शो में अपनी पहली पत्नी को देवी कहा था। उन्होंने कहा था, 'नीलम जैसी महिला दूसरी कोई और नहीं हो सकती, क्योंकि उन्होंने हर परिस्थिति में उनका साथ दिया था।'

अप्रैल में तपेगा बिहार, पिछले साल से ज्यादा रहेगा टेंपरेचर

लोकतंत्र की शान : पटना। बिहार में अप्रैल महीने में गर्मी और मौसम में बदलाव दोनों का मिला-जुला रूप दिखाएगा। मौसम विभाग के अनुसार अप्रैल के दूसरे हफ्ते से राज्य में हीट वेव चलने की संभावना है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम दोनों ही तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका जताई गई है। आमतौर पर अप्रैल में अधिकतम तापमान 38 से 40 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 22 से 24 डिग्री के बीच रहता है, लेकिन इस बार इससे ऊपर जाने के आसार हैं। बिहार में अप्रैल 2026 का मौसम पिछले साल के मुकाबले थोड़ा अलग पैटर्न दिखाने वाला है।

मौसम विभाग के अनुसार इस बार भी गर्मी तेज रहेगी, लेकिन इसके साथ बारिश भी ज्यादा होने की संभावना है। अप्रैल 2025 में बिहार में लगातार भीषण गर्मी पड़ी थी। महीने के दूसरे हफ्ते से ही कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया था। गया, पटना, औरंगाबाद जैसे जिलों में पारा 42 डिग्री तक पहुंच गया था। हीट वेव की स्थिति बनी रही और पूरे महीने बारिश बहुत कम हुई। रात में भी गर्मी बनी रहती थी, जिससे लोगों को राहत नहीं मिल रही थी। अप्रैल 2026 में भी अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक रहने का अनुमान है, यानी गर्मी कम नहीं होगी। सामान्य तौर पर जहां तापमान 38-40 डिग्री रहता है, वहां इस बार इसके ऊपर जाने के आसार हैं। लेकिन सबसे बड़ा बदलाव बारिश को लेकर है। इस बार मौसम विभाग ने पूरे राज्य में सामान्य से अधिक वर्षा की संभावना जताई है। यानी बीच-बीच में आंधी और बारिश होती रहेगी।

भगवानपुर में दो गांजा तस्कर अरेस्ट

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। भगवानपुर थाना पुलिस ने 1 अप्रैल 2026 की देर शाम दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया। उनके पास से 20.910 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। यह कार्रवाई उत्पाद विभाग, पटना की टीम से मिली सूचना के आधार पर की गई। उत्पाद विभाग, पटना ने भगवानपुर थानाध्यक्ष को जानकारी दी थी कि दो गांजा तस्कर मुजफ्फरपुर से हाजीपुर की ओर एक कत्थई रंग की मारुति अल्टो कार में गांजा ले जा रहे हैं। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम का गठन किया। गठित टीम ने एनएच-22 पर नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान मुजफ्फरपुर की ओर से आ रही कत्थई रंग की अल्टो कार पुलिस को देखकर भगवानपुर ओवरब्रिज के नीचे से भागने लगी। पुलिस टीम ने पीछा कर कार को रोका और चालक सहित उसमें बैठे व्यक्ति को पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्तियों की पहचान वैशाली के गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र निवासी रंजन कुमार यादव और पटना जिले के पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र निवासी आशीष कुमार उर्फ गोलू के रूप में हुई। भागने का कारण पूछने पर उन्होंने कार में गांजा होने की बात स्वीकार की। इसके बाद दंडाधिकारी और अंचलाधिकारी, भगवानपुर की उपस्थिति में विधिवत वीडियोग्राफी के साथ तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दोनों व्यक्तियों के पास से एक-एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। कार की तलाशी लेने पर कपड़े के चार अलग-अलग थैलों में रखा गांजा मिला, जिसका वजन मौके पर 20.910 किलोग्राम पाया गया। इस संबंध में भगवानपुर थाना में कांड संख्या 121/26 दर्ज कर दोनों गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

15 किलो गांजा जब्त, एक तस्कर अरेस्ट

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। राघोपुर थाना पुलिस ने 1 अप्रैल को शाम गश्ती के दौरान रामपुर गांव से गौरव कुमार नामक व्यक्ति को 15.477 किलोग्राम गांजा के साथ पकड़ा। इस संबंध में सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौरव कुमार, पिता उमराशंकर राय, निवासी रामपुर श्यामचंद, थाना राघोपुर, जिला वैशाली के रूप में हुई है। पुलिस ने इस संबंध में राघोपुर थाना में मामला दर्जकर गौरव कुमार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पूछताछ के दौरान गौरव कुमार ने मादक पदार्थ के स्रोत, इसे किसे बेचना था और तस्करी में शामिल गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में महत्वपूर्ण खुलासे किए हैं। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस ने आरोपी के पास से 15.477 किलोग्राम गांजा और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की है। गौरव कुमार का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके खिलाफ रेल थाना पटना जंक्शन में कांड संख्या 679/22 (शराब तस्करी) दर्ज है।

वैशाली महोत्सव में कल्पना पटवारी के कार्यक्रम में हंगामा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली महोत्सव के दूसरे दिन लोक गायिका कल्पना पटवारी के कार्यक्रम में भारी हंगामा हो गया। भीड़ बेकाबू होने पर पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। कल्पना पटवारी के मंच पर आने के लगभग आधे घंटे बाद ही दर्शकों में उत्साह बढ़ गया और भीड़ अनियंत्रित होने लगी। स्थिति तब और बिगड़ गई जब कुछ लोगों ने कुर्सियां फेंकना शुरू कर दिया। इसके बाद, उपद्रवी तत्वों को खदेड़ने और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करते हुए लाठीचार्ज करना पड़ा। कार्यक्रम की शुरुआत कल्पना पटवारी ने उत्तर बिहार के प्रसिद्ध छठ पूजा गीत 'उग हे सूर्य देव...' से की थी। अपने प्रदर्शन के दौरान उन्होंने नालंदा में एक महिला के साथ हुए सामूहिक दुर्व्यवहार का भी जिक्र किया और इसे शर्मनाक बताया। इसी संदर्भ में उन्होंने भिखारी ठाकुर का प्रसिद्ध गीत 'बेटी बेचवा' भी प्रस्तुत किया। पटवारी ने 'बलमुवा कैसे तेजब, हे छोटी ननदी' जैसे कई अन्य गीत भी गाए, जिस पर संगीत प्रेमियों ने खूब तालियां बटोरीं। नालंदा की घटना पर आधारित एक मार्मिक गीत 'गिरजा दुखवा हमार कर साफ क के आंगन छिपा लोटा झुठ बन के रहली माइ के टहलनी हो बाबूजी अरे कवनो करनीया में चुकली हो बाबुजी' की प्रस्तुति से माहौल गमगीन हो गया। हंगामे के बाद जिला प्रशासन ने तुरंत हस्तक्षेप किया। अधिकारियों ने उपद्रवी तत्वों को कड़ी चेतावनी दी और स्थिति को शांत कराया। इसके बाद कार्यक्रम को फिर से संचालित किया गया। उन्होंने 'बाबा दिहले टिकबा सेहू रे हम तेजबो, बलमुआ' और 'सेनुरवा कईसे तेजब रे छोटी ननदी' जैसे गीत भी गाए। कल्पना पटवारी ने 'नदिया के पार' फिल्म का चर्चित गीत 'कौने दिशा में' प्रस्तुत कर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। यह भोजपुरी नाइट का सिलसिला लगातार चलता रहा। कार्यक्रम के दौरान मंच के सामने बैठे परिवार सहित अधिकारियों और अन्य लोगों ने भी गीतों का जमकर लुत्फ उठाया और कई लोग अपने मोबाइल में इन पलों को कैद करते दिखे।

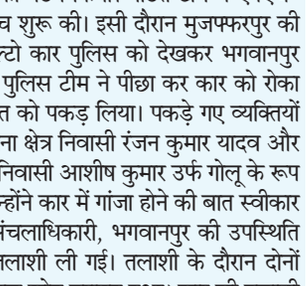

भीषण गर्मी और लू से निपटने को सहरसा प्रशासन अलर्ट, तैयारियों की समीक्षा

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को आसन्न गर्मी और लू की संभावनाओं को देखते हुए आपदा जनित परिस्थितियों से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। स्वास्थ्य विभाग को सभी सरकारी अस्पतालों में जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने, गर्मी से प्रभावित मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा प्रदान करने तथा पर्याप्त मात्रा में ORS उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। वहीं, विद्युत विभाग को जिले में बिजली आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखने और तारों के समुचित रखरखाव के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। जिला परिवहन शाखा के माध्यम से सभी बस पड़ावों पर पेयजल (प्याऊ) की व्यवस्था सुनिश्चित करने की जानकारी दी गई। श्रम संसाधन विभाग को ईंट-भट्ठों पर कार्यरत श्रमिकों को गर्मी से राहत दिलाने हेतु आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और उसकी निगरानी के निर्देश दिए गए। जिला शिक्षा कार्यालय को सभी विद्यालयों में पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सिविल सर्जन को विद्यालयों में पर्याप्त मात्रा में ORS उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को नल-जल योजनाओं के सुचारु संचालन और खराब चापाकलों को अप्रैल माह में अनिवार्य रूप से ठीक कराने को कहा गया। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, नगर आयुक्त श्री प्रभात कुमार झा, अपर समाहर्ता श्री संजीव कुमार चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पटना में ई-रिक्शा में युवक की गोली मारकर हत्या

लोकतंत्र की शान , पटना

ट्रेन पकड़ने जा रहा था, रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले अपराधियों ने सिर में किया शूट

पटना के खुसरूपुर थाना क्षेत्र के सामना मैदान उत्तर में स्थित इन्फेंट जीसस अकादमी के सामने सड़क मार्ग पर अज्ञात अपराधियों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान लोदीपुर गांव निवासी स्वर्गीय वली अहमद के 35 वर्षीय पुत्र मोहम्मद आफताब आलम के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों के अनुसार, मोहम्मद आफताब आलम गुरुवार सुबह ई-रिक्शा पर सवार होकर अपने बच्चे का रिजल्ट लेने इन्फेंट जीसस अकादमी जा रहे थे। स्कूल के समीप पहुचते ही दो नकाबपोश बदमाशों ने उनके सिर में गोली मार दी और मौके से फरार हो गए। आफताब पटना के एग्जीबिशन रोड में मैकेनिक का काम करते थे। उनके परिवार में पत्नी नूरी बेगम और चार पुत्र हैं। मृतक की पत्नी नूरी बेगम ने बताया कि शाहपुर फोर लेन सड़क मार्ग के पास उनकी जमीन है, जिसे लेकर कुछ लोग दबाव बना रहे थे। करीब तीन महीने पहले मोबाइल के माध्यम से जमीन लिखने की धमकी भी दी गई थी।

परिजन का कहना है कि इसकी शिकायत पहले सलीमपुर थाना को दी गई थी, लेकिन पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई। परिजनों ने इस घटना के लिए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

पुलिस मामले की जांच में जुटी: घटना की सूचना पाकर खुसरूपुर थाना अध्यक्ष संजीव कुमार सिंह, एसडीपीओ-2 संजीव कुमार और ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार ने मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया।

सहरसा में जल निकासी सुधार को लेकर प्रशासन सक्रिय नालों की उड़ाही और मिसिंग लिंक पर बनेगी योजना

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: नगर निगम सहरसा क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को स्थानीय विकास भवन में जिलाधिकारी श्री दीपेश कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जलजमाव की समस्या के समाधान को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। समीक्षा के दौरान नगर निगम क्षेत्र में जल निकासी को सुगम बनाने के लिए नालों की अविलंब उड़ाही (सफाई) कराने तथा जलकुंभी हटाने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही आवश्यकता के अनुसार कच्चे नालों के निर्माण का भी निर्णय लिया गया, ताकि पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सके। बैठक में नगर पार्षदों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों से प्राप्त सुझावों पर गहन चर्चा के बाद नालों के 'मिसिंग लिंक' की पहचान और उसके समाधान के लिए एक विशेष कमिटी का गठन किया गया। इस कमिटी में परियोजना निदेशक बुडको, कार्यपालक अभियंता (नगर विकास एवं आवास विभाग), कार्यपालक अभियंता (RCD) एवं लघु जल संसाधन विभाग के अधिकारी शामिल किए गए हैं। कमिटी को आगामी बुधवार तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर आयुक्त श्री प्रभात कुमार झा ने बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुरूप जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु ठोस कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। बैठक में उप विकास आयुक्त श्री गौरव कुमार, महापौर बैनप्रिया, उप महापौर गुड्डू हयात सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सहरसा में LPG आपूर्ति दुरुस्त बैकलॉग खत्म करने को प्रशासन सख्त

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: जिले में रसोई गैस (LPG) की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने सभी प्रमुख गैस कंपनियों—Indane, HP Gas और Bharatgas—के वितरकों के साथ विस्तृत समीक्षा की। जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार आपूर्ति व्यवस्था को और मजबूत बनाने तथा लंबित बुकिंग को शीघ्र निपटाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की गई है। समीक्षा के दौरान यह जानकारी सामने आई कि जिले में वर्तमान में 10,110 से अधिक गैस सिलेंडर (ओपनिंग स्टॉक एवं इन-ट्रांजिट) उपलब्ध हैं। पिछले 24 घंटों में 2,467 उपभोक्ताओं को सफलतापूर्वक होम डिलीवरी दी गई है, जिससे आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनी हुई है। प्रशासन का मुख्य फोकस लंबित बुकिंग (बैकलॉग) को कम करने पर है।

- Indane वितरकों के लिए औसतन 4.76 दिनों में बैकलॉग समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- HP Gas का औसत बैकलॉग 3.97 दिन है।
- Bharatgas की स्थिति सबसे बेहतर है, जहां बैकलॉग केवल 2 दिन रह गया है। जिन वितरकों का बैकलॉग 6 दिनों से अधिक पाया गया है, जैसे शाहिद रमन इण्डेन, हर्ष इण्डेन और जय माँ भगवती HP, उन्हें प्रशासन द्वारा कड़े निर्देश दिए गए हैं। इन एजेंसियों को अतिरिक्त वाहनों और श्रमशक्ति का उपयोग कर आपूर्ति को जल्द सामान्य करने को कहा गया है। जिला प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त मात्रा में स्टॉक लगातार उपलब्ध हो रहा है। उपभोक्ता अनावश्यक घबराहट में बुकिंग न करें और केवल जरूरत के अनुसार ही गैस बुक करें। साथ ही, जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वे प्रतिदिन स्टॉक एवं डिलीवरी की निगरानी करें। कालाबाजारी या डिलीवरी में अनावश्यक देरी पाए जाने पर संबंधित वितरकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इग्नू का 39वां दीक्षांत समारोह 7 अप्रैल को, सहरसा में भी होगा आयोजन

लोकतंत्र की शान

सहरसा, मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाता: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का 39वां दीक्षांत समारोह आगामी 7 अप्रैल 2026 (मंगलवार) को सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा। यह समारोह विश्वविद्यालय मुख्यालय के साथ-साथ देशभर के 51 क्षेत्रीय केंद्रों पर एक साथ संपन्न होगा। सहारसा क्षेत्रीय केंद्र में भी इसका आयोजन स्थानीय प्रेक्षागृह (एस.पी. आवास के सामने) में किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुख्यालय में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन होंगे। वहीं, सहारसा क्षेत्रीय केंद्र के समारोह में पूर्णिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विवेकानंद सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण ज्ञान दर्शन, ज्ञान वाणी, ज्ञान धारा टीवी चैनलों के साथ-साथ फेसबुक और यूट्यूब के माध्यम से भी किया जाएगा। इस वर्ष विश्वविद्यालय से कुल 3 लाख 25 हजार से अधिक शिक्षार्थी उत्तीर्ण हुए हैं, जिनमें सहारसा क्षेत्रीय केंद्र के लगभग 6,200 विद्यार्थी शामिल हैं। सहारसा केंद्र पर आयोजित समारोह में करीब 400 से अधिक शिक्षार्थी एवं 100 शिक्षाविद भाग लेंगे, जहां उपस्थित विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की जाएगी। बताया गया है कि सहारसा क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत लगभग 1100 विद्यार्थियों ने डिग्री प्राप्ति हेतु आवश्यक शुल्क जमा किया है। इनमें से करीब 200 विद्यार्थियों ने समारोह में उपस्थित होकर डिग्री लेने की सहमति दी है। अन्य इच्छुक विद्यार्थी, जो दीक्षांत समारोह में भाग लेकर अपनी डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं, वे 4 अप्रैल 2026 तक अपनी सहमति ई-मेल (rcsaharsa@ignou.ac.in) या मोबाइल नंबर 7004368505 पर संपर्क कर दे सकते हैं। क्षेत्रीय निदेशक डॉ. मिर्जा नेहाल अहमद बेग ने सभी योग्य विद्यार्थियों से समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने की अपील की है।

नई जिम्मेदारी पर अनंत बोले- ई सब हम जानबे नहीं करते

लोकतंत्र की शान , पटना

बिहार विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 19 समितियों का गठन किया गया है। इसमें बाहुबली नेता और मोकामा से विधायक अनंत सिंह को भी जगह मिली है। अनंत सिंह को पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण समिति का सदस्य बनाया गया। अनंत सिंह से जब इसको लेकर सवाल किया गया कि आप सदस्य बने हैं।

आप पर्यावरण के लिए क्या कुछ सोचे हैं? अनंत सिंह ने कहा, ई सब हम कुछ जानबे नहीं करते है। हम क्या बने हैं क्या नहीं बने हैं। अनंत सिंह ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि, नदवां में मैं बहुत से कार्यक्रम करवा चुका हूं। नाच-गाने का भी प्रोग्राम हुआ है, लेकिन आज तक यहां कोई हंगामा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि, हमको कोई हरा ही नहीं सकता। चुनाव क्या आजतक तक हम किसी चीज में हारे ही नहीं हैं। मेरी कुंडली में हार है ही नहीं।

महादंगल में 10 लाख लोग पहुंचेंगे: अपने गांव नदवां में होने वाले महादंगल को लेकर भी अनंत सिंह काफी उत्साहित हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अनंत सिंह वहीं कैंप भी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि, '3 अप्रैल को बड़ा आयोजन हो रहा है। देश-विदेश से 100 से ज्यादा पहलवान आ रहे हैं। 10 लाख से ज्यादा लोग दंगल देखने पहुंचेंगे। जो बाहर से आएंगे, उनके खाने-पीने का पूरा इंतजाम है। ऐसा दंगल बिहार में पहले कभी नहीं हुआ है।

'बिहार को गरीब बताकर छवि खराब कर रहे तेजस्वी'

लोकतंत्र की शान , पटना

लोक जन शक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने पटना एयरपोर्ट पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव चुनावी लाभ के लिए अपने ही राज्य बिहार की छवि को देशभर में खराब कर रहे हैं। कहा कि तेजस्वी यादव दूसरे राज्यों में जाकर बिहार को सबसे गरीब राज्य बताकर उसकी नकारात्मक तस्वीर पेश कर रहे हैं। चिराग ने आगे कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक जिम्मेदार नेता अपने ही राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाने का काम कर रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी यादव को यह भी बताना चाहिए था कि आखिर बिहार को गरीब बनाए रखने के लिए कौन जिम्मेदार रहा है।

RJD के शासन पर निशाना: चिराग पासवान ने सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनता दल और उसके 1990 के दशक के शासनकाल को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि उस दौर की नीतियों और प्रशासनिक विफलताओं के कारण बिहार पिछड़ता चला गया। उनके अनुसार, उसी समय राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हुई, विकास कार्य ठप पड़े और बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार और बेहतर जीवन की तलाश में पलायन करना पड़ा।

सुपौल में 6 अप्रैल को होगा 'जनता से संवाद' कार्यक्रम, प्रमंडलीय आयुक्त करेंगे समस्याओं की सुनवाई

लोकतंत्र की शान

जिलाधिकारी दीपेश कुमार ने सभी पेट्रोल पंप के मालिकों के साथ किया बैठक।

सुपौल, मो. ज़ियाउद्दीन, जिला संवाददाता: कोशी प्रमंडल के प्रमंडलीय आयुक्त श्री राजेश कुमार (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में आगामी 6 अप्रैल 2026 को समाहरणालय, सुपौल में 'जनता से संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम अपराह्न 12:30 बजे से प्रारंभ होगा, जिसमें आम नागरिकों की समस्याओं की सीधे सुनवाई की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस कार्यक्रम के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त आम जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के समयबद्ध समाधान के लिए आवश्यक निर्देश देंगे। साथ ही, आयुक्त कार्यालय में लंबित सुपौल जिले से संबंधित परिवाद, जिन पर अब तक जांच प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुआ है, उनकी भी समीक्षा एवं सुनवाई की जाएगी। कार्यक्रम से पूर्व प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा समाहरणालय परिसर स्थित विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण भी किया जाएगा। इनमें स्थापना शाखा, सामान्य शाखा, शस्त्र शाखा, विधि शाखा, जिला भू अर्जन शाखा, जिला पंचायत शाखा, आपूर्ति शाखा, डीपीओ (आईसीडीएस), अभिलेखागार तथा जिला ग्रामीण विकास अभिकरण सहित अन्य शाखाएं शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान न्यायालय एवं राज्य सूचना आयोग के आदेशों के अनुपालन की स्थिति, लंबित अनुशासनिक कार्रवाइयां, लोकायुक्त के आदेशों का पालन, लंबित अवमानना वाद, सैरातों की बंदोबस्ती सहित कुल 16 बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की जाएगी। प्रशासन द्वारा संबंधित विभागों को इस कार्यक्रम एवं निरीक्षण को लेकर समुचित तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

रेवाड़ी में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

लोकतंत्र की शान : रेवाड़ी। जिले के चांदनवास गांव में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 33 वर्षीय एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान विक्रांत के रूप में हुई है, जो अपने पिता का इकलौता बेटा था और तीन बच्चों का पिता भी था। बताया जा रहा है कि वह एक निजी कंपनी में कार्यरत था और परिवार के साथ सामान्य जीवन व्यतीत कर रहा था। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात विक्रांत ने परिवार के साथ खाना खाया और इसके बाद वह पशुबाड़े की ओर चला गया। गुरुवार सुबह जब परिवार के सदस्य पशुबाड़े में पहुंचे, तो वहां टीन शेड के सहारे विक्रांत का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। यह दृश्य देख परिजनों के होश उड़ गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही रोहड़ाई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मौके का निरीक्षण एसएफएल टीम के साथ किया और जरूरी साक्ष्य जुटाए। प्रारंभिक जांच में मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, जिससे आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच कर रही है। थाना प्रभारी विद्यासागर के अनुसार, सुबह चांदनवास गांव में हैंगिंग की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिरसा: सड़क हादसों में एक व्यक्ति की मौत, तीन घायल

लोकतंत्र की शान : सिरसा। सिरसा जिले के गांव गिंदड़ा-घोडांवाली के बीच दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दूसरा बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक व्यक्ति की पहचान सुरेंद्र कुमार के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि हादसा बुधवार रात गांव गिंदड़ा से घोड़ांवाली के बीच हुआ। गौरव घोड़ांवाली से गिदड़ा की ओर जा रहा था, जबकि सुरेंद्र गिंदड़ा से घोडांवाली गांव की तरफ जा रहा था। इसी दौरान दोनों मोटरसाइकिलों की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को पुलिस ने अस्पताल में पहुंचाया जहां उपचार के दौरान सुरेंद्र कुमार की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल गौरव का इलाज चल रहा है। गुरुवार को सुरेंद्र के शव का सिरसा के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। उधर, गांव दड़बा कलां बस स्टैंड के पास लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली व पिकअप की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि हादसा गुरुवार अल सुबह हुआ। लकड़ी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली मुख्य मार्ग से गुजर रही थी तभी सामने से आ रही एक पिकअप ने उसे टक्कर मार दी। चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में पहुंचाया।

कैथल: ज्ञान भारतम् मिशन में किया जाएगा प्राचीन पांडुलिपि व अभिलेखों को संरक्षित

लोकतंत्र की शान : कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि सरकार द्वारा ज्ञान भारतम् मिशन के तहत प्राचीन ऐतिहासिक धार्मिक एवं किसी भी अन्य प्रकार के प्राचीन पांडुलिपियों, अभिलेखागारों को लेकर सर्वे करवाया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्राचीन पांडुलिपि विरासत के संरक्षण और दस्तावेजीकरण किया जाएगा। आमजन से अपील है कि किसी के पास कोई पांडुलिपि या अभिलेख हो तो उसकी सूचना प्रशासन को दें। ताकि उन्हें संरक्षित किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे सर्वे को निर्धारित समय में पूरा करें। डीसी अपराजिता गुरुवार को पांडुलिपियों और अभिलेखों के सर्वे को लेकर राज्य स्तर पर प्रदेश के मुख्य सचिव द्वारा ली गई वीडियो कान्फ्रेंस के बाद अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह के प्राचीन ऐतिहासिक एवं धार्मिक अभिलेख पुरातत्व विभाग की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होते हैं। हमें उस दौर की जानकारी मिलती है, जिस दौर के ये अभिलेख होते हैं। इससे इतिहास को अधिक तथ्यात्मक ढंग से समझने में भी मदद मिलती है। उन्होंने जिले में संचालित लाइब्रेरी, विश्वविद्यालयों, संस्कृत पाठशाला सहित सभी ऐसे संस्थानों के अधिकारियों को निर्देश जारी किए कि इस संबंध में आवश्यक जानकारी लोगों को दें और पुरातन वस्तुओं को लेकर काम करने वाले संगठनों के प्रतिनिधियों से भी बात करें। साथ ही फील्ड सर्वे, भौतिक सत्यापन एवं जियो टैगिंग का कार्य निर्धारित मानक अनुसार किया जाए। इस अवसर पर जिला उच्च शिक्षा अधिकारी डा. मनोज भ्रांबू, महिला एवं बाल कल्याण अधिकारी गुरजीत कौर भी मौजूद थे।

ऑन लाइन गेमिंग के शौकीन अंडर ट्रेनी अधिवक्ता को शातिरों ने ठगा : 6 लाख का फ्रॉड

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। शहर के सरदारपुरा एरिया में रहने वाले अंडर ट्रेनी अधिवक्ता को ऑनलाइन गेमिंग के शौक ने ठगी का शिकार बना दिया। शातिरों ने ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर उससे 6 लाख से ज्यादा का फ्रॉड कर दिया। पीड़ित ने अब सरदारपुरा थाने में इसकी रिपोर्ट दी है। पुलिस ने मामले में अग्रिम जांच आरंभ की है। थानाधिकारी जयकिशन सोनी ने बताया कि सरदारपुरा दूसरी सी रोड पर रहने वाले तनुज जैन पुत्र मुकेश जैन ने यह रिपोर्ट दी है। तनुज ऑन लाइन गेमिंग का शौक रखता है। इसके लिए उसने 29 मार्च को ऑन लाइन गेम के लिए मोबाइल को यूज लिया था। तब गेमिंग ऐप का डाउनलोड करने के दौरान शातिर ने झांसे में लिया और पहले दस हजार रूपए डलवाए गए। बाद में पता लगा कि दस हजार रूपए अगली पार्टी तक नहीं पहुंचे है। इस पर कॉल आया और कहा गया कि दस हजार तकनीकि कारण से नहीं आए है, दस हजार और डाल दो ताकि बीस हजार रूपये एक साथ विड्राल हो जाएंगे। मगर वे रूपये भी नहीं पहुंचे। फिर बाद में बताया कि किसी अन्य ऐप से पांच हजार रूपये डालो ताकि 25 हजार एक साथ विड्राल हो जाएं। झांसे में आए तनुज ने ऐसे करके तकरीबन 6 लाख रूपये गवां दिए, फिर पता लगा कि उसके साथ में फ्रॉड हुआ है। थानाधिकारी जयकिशन सोनी ने बताया कि पीड़ित ऑनलाइन गेमिंग का शौक रखता है और पेशे से अंडर ट्रेनी अधिवक्ता भी है। फिलहाल केस दर्ज किया गया है, जांच एसआई दीपलाल को सौंपी गई है।

ऑपरेशन चक्रव्यूह : मादक पदार्थ तस्करी में वांटेड 25 हजार का इनामी अपराधी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान : जोधपुर। कमिश्नरेट जिला पश्चिम में ऑपरेशन चक्रव्यूह अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में गुरूवार को डीएसटी वेस्ट में जीआरपी थाने में वांटेड 25 हजार के इनामी आरोपित को पकड़ा है। वह पांच साल से मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरण में राजकीय रेलवे पुलिस का वांटेड था। उसे अब जीआरपी को सौंपा गया है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम कमल शेखावत ने बताया कि जिला पश्चिम की तरफ से ऑपरेशन चक्रव्यूह चलाया जा रहा है। इस कड़ी में जिला पश्चिम की डीएसटी प्रभारी एसआई महेंद्र सिंह को मुखबिरी सूचना मिली कि रेलवे पुलिस थाने के मादक पदार्थ तस्करी का एक वांटेड जोधपुर आया हुआ है। इस पर डीएसटी वेस्ट के एएसआई गजेंद्र, हैडकांस्टेबल गंगासिंह, साइबर सैल के हैडकांस्टेबल प्रेम चौधरी, डीएसटी के कांस्टेबल राजूसिंह, प्रेम, जगदीश प्रसाद, राजूराम एवं रामूराम की टीम ने वांटेड बजरंग नगर जांबा निवासी रामस्वरूप उर्फ रामा मांजू को गिरफ्तार कर लिया। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था और वह वर्ष 2021 में दर्ज एनडीपीएस एक्ट में फरारी काट कर रहा था।

अधिवक्ता के मान सम्मान को बनाए रखने का दायित्व हमारा है:- एडवोकेट आर के सिंह सैनी

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद शिकायत निवारण समिति की जिला प्रतिनिधि एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज ने जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के 2026 के होने वाले चुनाव के अंतर्गत एडवोकेट अक्षय बजाज एवं नव अधिवक्तागण के आग्रह पर मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के उपाध्यक्ष व कटनी मंडला जिला प्रभारी वरिष्ठ अधिवक्ता श्री आर के सैनी व उनके सहयोगी अधिवक्तागण का कटनी दौरा हुआ। इसमें सर्वप्रथम आरके सिंह सैनी ने कटनी जिला शिकायत निवारण समिति की जिला प्रतिनिधि एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज व अधिवक्तागणो के साथ न्यायालय परिसर मे प्रवेश किया साथ ही उन्होंने वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अधिवक्ताओ से उनके चेम्बरो मे जा जा कर मुलाक़ात की व अपने लिए 2026

के होने वाले मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के चुनाव मे अपने लिए भारी जन समर्थन माँगा। साथ ही एडवोकेट आर के सिंह सैनी जी ने समस्त अधिवक्ता भाई बहनो से अपील की आप की छोटी से छोटी व बड़ी से बड़ी समस्या हमारी है आप का मान सम्मान हमारा मान सम्मान है इस पर किसी भी तरह की आँच नहीं आने देंगे आपके किसी भी तरह की जनसमस्या या प्रशाशनिक समस्या है तो उसको आप तुरंत लिखित प्रारूप में हमारी जिला प्रतिनिधि सदस्य एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज को लिखित रूप से दे, हम आपकी समस्याओ का निराकरण करेंगे।मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों से बात करके समस्या का तुरंत निवारण किया जाएगा, जरूरत पड़ने पर हम और हमारी टीम के सदस्य कटनी आकर के संबंधित अधिकारियों से बात करके तुरंत निराकरण करवाएंगे आपका मान सम्मान हमारा मान सम्मान श्री आर के सैनी जी के साथ जनसम्पर्क मे पूर्व अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ कटनी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राजेश दीक्षित जी,अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ कटनी एडवोकेट अमित शुक्ला, एडवोकेट अंजुला सरावगी बजाज(जिला प्रतिनिधि शिकायत निवारण समिति मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद)वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री ओ. पी परोहा जी, वरिष्ठ अधिवक्ता श्री बालिया जी, एडवोकेट रश्मि पाठक,उपाध्यक्ष एडवोकेट संतु परोहा,एडवोकेट प्रमोद मिश्रा,एडवोकेट अंतु पाण्डेय,एडवोकेट सनत परोहा, एडवोकेट प्रकाश भूमिया,एडवोकेट संदीप दुबे,एडवोकेट सुखविंदर सिंह गर्चा ,एडवोकेट प्रकाश भूमिया ,एडवोकेट नानक देवानी,एडवोकेट राजेश सिंह, एडवोकेट सनत शुक्ला, एडवोकेट अक्षय बजाज,एडवोकेट कमलापति तिवारी,एडवोकेट एड माही विश्वकर्मा अनुराग गुप्ता, एडवोकेट हिमांशु शर्मा, एडवोकेट अखिलेश मिश्रा, एडवोकेट संदीप विश्वास ,एडवोकेट सभ्य दुबे,एडवोकेट पूजा सोनी,एडवोकेट परिधि आर्या, एडवोकेट फातमा खातून ,एडवोकेट श्रीकांत श्रीवास्तव,एडवोकेट आरती मौर्या ,एडवोकेट शुभम मौर्या ,एडवोकेट आकाश बर्मन,एडवोकेट यशपाल सिंह राजपूत,एडवोकेट अभिषेक सोनी, एडवोकेट सचिन यादव, एडवोकेट आकाश उइके, एडवोकेट आदित्य श्रीवास्तव, इसके उपरांत एडवोकेट अक्षय बजाज एवं उनके अधिवक्ता साथियो के द्वारा श्री आर के सिंह सैनी जी का सम्मान किया गया इसमें तमाम अधिवक्ता भाई बहन उपस्थित थे।

नशा मुक्त अभियान में कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्यवाही

» नशे के अवैध कारोबारियों में मचा हडक़ंप

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। केंद्र सरकार द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सीधी पुलिस को एक बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। इस अभियान के तहत जिले में नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है, जिससे नशा कारोबारियों में हडक़ंप की स्थिति बनी हुई है। यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन गौरव राजपूत एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक रीवा जोन हेमंत चौहान के मार्गदर्शन में की गई है। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव व अमन मिश्रा के पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा यह प्रभावी कार्रवाई की गई। दिनांक 1 अप्रैल 2026 की रात्रि में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि उत्कृष्ट विद्यालय के पास एक व्यक्ति नशीली सिरप की खेप खपाने की फिराक में है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आशीष सिंह उर्फ राजन गहरवार उम्र 26 वर्ष निवासी पडऱा को मौके से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 28 शीशी नशीली सिरप बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी के निशानदेही के आधार पर पुलिस ने तत्काल कमला कॉलेज के पीछे स्थित ठिकाने पर दबिश दी, जहां से 415 अतिरिक्त शीशी बरामद की गई। आरोपी से यह जानकारी प्राप्त करने हेतु पूछताछ की जा रही है कि वह उक्त नशीली कफ सिरप कहां से लेकर आया था। साथ ही नशीली सिरप के अवैध क्रय-विक्रय एवं नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस कार्रवाई में जप्त सामग्री में कुल नशीली कफ सिरप 443 शीशी, अनुमानित मूल्य 88,600 रुपए, एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन शामिल है। आरोपी के विरुद्ध धारा 8, 21, 22 एनडीपीएस एक्ट, धारा 5/13 मप्र ड्रग कंट्रोल एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

पुताई कर बना दिया बालिका शौचालय

» बालिका शौचालय मरम्मत में घोटाले हो रहे उजागर

» मामला प्राथमिक शाला जोगियान टोला चमराडोल का

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। एक तरफ राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के द्वारा प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में बालिकाओं के शौचालय को अनिवार्य मानते हुए ऐसे विद्यालयों को चिन्हित कराया गया जहां बालिका शौचालय मरम्मत के योग्य थे और 20 हजार रु प्रति शौचालय के मान से राशि भी जारी की गई है लेकिन उसमें भी शाला प्रभारी फर्जीवाड़ा के सहारे डकार जाने का खेल खेला गया है। ताजा मामला जन शिक्षा केंद्र चमराडोल अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला जोगियान टोला चमराडोल का प्रकाश में आया है। ग्रामीणों के मुताबिक बालिका शौचालय एवं बालक शौचालय अलग-अलग बने हैं।चूंकि बालिका शौचालय खंडहर था जिसे मरम्मत की जरूरत थी जबकि बालक शौचालय कुछ वर्ष पहले ही बना था जिसमें मरम्मत की जरूरत नहीं थी। पहले प्रधानाध्यापक के द्वारा बालिका शौचालय को ही मरम्मत करने का कार्य शुरू कराया गया था लेकिन फिर किसी अधिकारी के सलाह पर बालक शौचालय की बाहरी दीवाल में पुताई कराकर बालिका शौचालय लेख कर दिया गया है।

विद्यालय समय में लगा रहता है ताला

हद तो तब हो गई जब एक तरफ उपयोगी शौचालय बनाने के लिए राशि डकार दी गई दूसरी दूसरी तरफ शौचालय का ताला विद्यालय समय में भी बंद रहता है जिससे सोचा जा सकता है उसकी क्या उपयोगिता होगी। इनका कहना हैं। अगर ऐसा है तो उपयंत्री से मामले की जांच कराई जाएगी और प्रतिवेदन वरिष्ठ कार्यालय को भेजा जाएगा। अयोध्या प्रसाद पटेल, बीआरसीसी मझौली।

सावधान! सोशल मीडिया का गैर जिम्मेदाराना उपयोग बन सकता है संकट

» डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए निर्दोषों के विरुद्ध प्रतिकूल वातावरण निर्मित करने वाली पोस्ट पर मामला दर्ज

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। पुलिस ने सोशल मीडिया पर भ्रामक और उत्तेजक सामग्री साझा कर किसी निर्दोष व्यक्ति के विरुद्ध जन-आक्रोश भडक़ाने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक अभियान शुरू किया है। थाना सेमरिया अंतर्गत एक कंटेनर यूपी 78 जेएन 9557 के संबंध में अपहरण की मिथ्या सूचना प्रसारित करने के मामले में दो इंस्टाग्राम आईडी संचालकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार दिनांक 9 मार्च 2026 को ग्राम बढ़ौरा हाईवे पर उक्त कंटेनर की गहन जांच के उपरांत पुलिस ने पाया था कि लड़कियों को ले जाने वाली सूचना पूर्णतः निराधार और तथ्यहीन है। पुलिस प्रशासन द्वारा तत्काल इसका आधिकारिक खंडन भी किया गया था। इसके बावजूद इंस्टाग्राम आईडी गुडियारानी एवं बालमुकुंद पाण्डेय5633 के यूजर्स द्वारा बिना किसी उत्तरदायित्व के इस अफवाह को प्रचारित किया गया, जिससे समाज में एक अनावश्यक तनाव की स्थिति निर्मित हुई। जांच में यह अत्यंत चिंताजनक पहलू सामने आया है कि इन भ्रामक पोस्ट्स के माध्यम से समाज में ऐसा उकसावा पैदा किया गया जो किसी भी निर्दोष व्यक्ति कंटेनर चालक व क्लीनर के विरुद्ध अनचाही अनहोनी की पृष्ठभूमि तैयार कर सकता था। सोशल मीडिया पर बिना प्रमाण किसी को अपराधी घोषित करना, दरअसल समाज को कानून हाथ में लेने के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से उकसाने के समान है। ऐसी गैर-जिम्मेदाराना पोस्ट्स किसी भी बेगुनाह व्यक्ति के सुरक्षा कवच को अत्यंत कमजोर कर देती हैं और उसे भीड़ की हिंसा के प्रति असुरक्षित बना देती हैं। हम ऐसी डिजिटल अराजकता के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति अपना रहे हैं। उक्त इंस्टाग्राम आईडी के यूजर्स के विरुद्ध धारा 353(1) (ख) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। साइबर सेल के माध्यम से इन यूजर्स की गतिविधियों की सूक्ष्मता से जांच की जा रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उल्लेखनीय है कि इस प्रकरण में पुलिस की जांच अभी निरंतर जारी है। विवेचना के दौरान तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जो भी अन्य नए बिंदु या संलिप्त व्यक्ति सामने आएंगे, उन पर भी विधि अनुसार कठोर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जावेगी।

सीधी पुलिस की जनता से मार्मिक अपील

सोशल मीडिया पर किसी भी सूचना को साझा करने से पहले सोचें कि क्या आपकी एक क्लिक किसी बेगुनाह के विरुद्ध भीड़ को लामबंद तो नहीं कर रही। अफवाह फैलाना केवल सूचना का प्रसार नहीं, बल्कि एक सुरक्षित समाज के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करना है। जिम्मेदार बनें, सत्यता की पुष्टि करें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

मनरेगा खात्मा मजदूरों के पेट में लात मारने जैसा: भदौरिया

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय की रिपोर्ट)

सीधी। केंद्र शासित भाजपा सरकार ने मनरेगा समाप्त करके श्रमिकों के पेट में लात मारने का काम किया है। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस की यूपीए सरकार ने स्थानीय स्तर पर गांव में मजदूरों को साल भर में 100 दिन के रोजगार की कानूनी गारंटी दी थी। जिसे भाजपा ने जी राम जी का नामकरण करके रोजगार का कानूनी अधिकार समाप्त कर दिया है। काम का कानूनी अधिकार समाप्त हो जाने से श्रमिक पलायन करने के लिए भी विवश हो गए हैं। इसके विरोध में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूरे देश में अभियान चलाया है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चुरहट विधायक अजय सिंह राहुल के मार्गदर्शन में जिला कांग्रेस कमेटी सीधी के अध्यक्ष ज्ञान प्रताप सिंह चौहान द्वारा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा कोऑपरेटिव बैंक के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भदौरिया को चुरहट विधानसभा क्षेत्र के हनुमानगढ़ सेक्टर में जनसंपर्क कर जन संवाद करने की जिम्मेदारी सौंपी है। ब्लॉक कांग्रेस हनुमानगढ़ के अध्यक्ष शिवकुमार सिंह गोड़ ने जानकारी देते हुए बताया है कि श्री भदौरिया 4 अप्रैल को इगरी, पोस्ता, धनिगमा, 5 अप्रैल को पोड़ी, हनुमानगढ़, अकौरी, 7 अप्रैल को कुशमहर, चकड़ौर, धनहा तथा 8 अप्रैल को भुईयाडोल, बजरंगगढ़ तथा खड्डी खुर्द में श्रमिकों से जनसंपर्क करके संवाद करेंगे। उन्होंने संबंधित सभी स्थानीय प्रदेश, जिला, ब्लाक, मंडलम, सेक्टर, प्रकोष्ठ तथा बीएल के साथियों से अनुरोध किया है कि निर्धारित तिथि व स्थान पर पहुंचकर जनसंपर्क व जन संवाद कार्यक्रम में शामिल होने का कष्ट करें।

जिला अधिवक्ता संघ कटनी में वरिष्ठ अधिवक्ताओं का हुआ सम्मान, राधेलाल गुप्ता रहे मुख्य अतिथि

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। जिला अधिवक्ता संघ, कटनी द्वारा गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें जिला अधिवक्ता संघ के वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में म.प्र. राज्य अधिवक्ता परिषद, जबलपुर के अध्यक्ष श्री राधेलाल गुप्ता जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश जितेन्द्र कुमार शर्मा (फैमिली कोर्ट), न्यायाधीश भास्कर यादव, विशेष न्यायाधीश श्री मित्तल साहब, श्री बुंदेला साहब, श्री गोपेश गर्ग, राजेश श्रीवास्तव, रजिस्ट्रार श्री नागेश शाह जी एवं अन्य न्यायाधीश उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का शॉल एवं पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया तथा वरिष्ठ अधिवक्ताओं को भी शॉल एवं पुष्पमाला पहनाकर कर सम्मानित किया गया। साथ ही नवागत अधिवक्ताओं को बैंड पहनाकर उनका स्वागत किया गया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सभी वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा— मुख्य अतिथि श्री राधेलाल गुप्ता जी ने कहा, "वरिष्ठ अधिवक्ता किसी भी न्याय व्यवस्था की मजबूत नींव होते हैं। उनका अनुभव और ज्ञान नई पीढ़ी के अधिवक्ताओं के लिए मार्गदर्शक है। अधिवक्ता समाज में न्याय, सत्य और संविधान की रक्षा

की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं। ऐसे सम्मान समारोह से अधिवक्ताओं का मनोबल और अधिक सुदृढ़ होता है।"

प्रधान न्यायाधीश श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा जी ने कहा–"न्याय व्यवस्था की गरिमा बनाए रखने में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं का अनुभव न्याय प्रक्रिया को सशक्त और प्रभावी बनाता है। न्यायालय और अधिवक्ता के बीच समन्वय ही सच्चे न्याय की आधारशिला है। ऐसे आयोजन आपसी सम्मान और विश्वास को और मजबूत करते हैं।" जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला जी ने कहा, "जिला अधिवक्ता संघ सदैव अपने वरिष्ठ साथियों के सम्मान और मार्गदर्शन को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। वरिष्ठ अधिवक्ताओं का अनुभव हमारे लिए प्रेरणा और शक्ति का स्रोत है। ऐसे आयोजन अधिवक्ता परिवार में एकता और भाईचारे को बढ़ावा देते हैं। भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे।" कार्यक्रम में मुख्य रूप से अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, नवीन शुक्ला, सचिव राजकुमार तिवारी, उपाध्यक्ष संतोष संतू परोहा, सहसचिव मीत धवल, कोषाध्यक्ष निर्मल दुबे, पुस्तकालय प्रभारी संदीप नायक, एवं कार्यकारिणी सदस्य अजय जायसवाल, दुष्यंत शर्मा, मांडवी मिश्रा, मीना सिंह बघेल, नानक देवानी, सुदेश सिंह गहरवार, सुरेंद्र कुमार शुक्ला एवं समस्त अधिवक्ता साथी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

क्यूबा रूस का रणनीतिक साझेदार, जारी रहेगा समर्थनः मॉस्को

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस ने एक बार फिर क्यूबा के साथ अपने मजबूत संबंधों को दोहराते हुए उसे रणनीतिक साझेदार बताया है। रूस ने स्पष्ट किया कि मॉस्को क्यूबा को हरसंभव समर्थन देता रहेगा, खासकर ऐसे समय में जब देश ऊर्जा संकट से जूझ रहा है। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी तास के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय परिवहन और लॉजिस्टिक्स फोरम के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए रूस के परिवहन मंत्री आंद्रेई निकितिन ने कहा कि क्यूबा, रूस का रणनीतिक साझेदार है और इस देश को दिया जाने वाला समर्थन जारी रहेगा। परिवहन मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि रूस अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून का पालन करते हुए काम करता है। उन्होंने कहा कि "हमारे जहाज रूसी झंडे के नीचे चलते हैं और क्यूबा तक मानवीय सहायता सामग्री पहुंचाई गई है। जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाने का कोई आधार नहीं हो सकता। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था का बुनियादी सिद्धांत है।" इससे पहले, रूसी परिवहन मंत्री आंद्रेई निकितिन ने बताया था कि रूसी टैंकर 'अनातोली कोलोदकिन', जिसमें एक लाख टन तेल की मानवीय सहायता सामग्री लदी थी, उसे क्यूबा पहुंचाया गया है। हवाना में ईंधन की स्थिति तब और बिगड़ गई, जब 3 जनवरी को अमेरिका ने वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए सैन्य अभियान चलाया। वेनेजुएला, क्यूबा को तेल निर्यात करने वाले मुख्य देशों में से एक रहा है। 29 जनवरी को अमेरिका में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके तहत वाशिंगटन उन देशों से आने वाले सामानों पर शुल्क लगा सकता है, जो क्यूबा को तेल की आपूर्ति करते हैं। इससे पहले यह भी बताया गया था कि अमेरिका, रूस और अन्य देशों द्वारा क्यूबा को समय-समय पर की जाने वाली मानवीय तेल आपूर्ति पर कोई आपत्ति नहीं जताता है।

ओली की गिरफ्तारी को राजनीतिक प्रतिशोध बताना शहीदों का अपमान : लामिछाने

काठमांडू। नेपाल प्रतिनिधि सभा की पहली बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रवि लामिछाने ने कहा है कि न्याय पाने का पहला अधिकार शहीद की मां का होता है और इसे राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। ओली की गिरफ्तारी पर विपक्षी दल यूएमएल के सांसदों के विरोध पर जवाब देते हुए रवि लामिछाने ने कहा कि इस घटना को राजनीतिक प्रतिशोध बताना शहीदों का अपमान है। पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी को नेपाल के सत्तारूढ़ दल ने राजनीतिक प्रतिशोध नहीं, बल्कि शहीदों को न्याय के साथ जोड़ने का आग्रह किया है। उन्होंने न्याय दिलाने के लिए उठाए गए कदमों को "राजनीतिक बदला" कहने की प्रवृत्ति पर आपत्ति जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार किसी के साथ राजनीतिक आस्था या विचारधारा के आधार पर भेदभाव नहीं करेगी।

उन्होंने कहा कि न्याय पाने का पहला हक शहीद की मां का है। इसे प्रतिशोध नहीं कहा जा सकता। लामिछाने ने अपने संबोधन में यह संकेत दिया कि सरकार का मुख्य उद्देश्य न्याय सुनिश्चित करना है, विशेषकर उन परिवारों के लिए जिन्होंने आंदोलनों या हिंसक घटनाओं में अपने प्रियजनों को खोया है। उन्होंने कहा कि शहीदों के परिवारों को न्याय दिलाना राज्य की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसे किसी भी तरह से राजनीतिक रंग देना उचित नहीं है।उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि सरकार निष्पक्षता के साथ काम करेगी और किसी भी व्यक्ति के साथ उसकी राजनीतिक विचारधारा के आधार पर अलग व्यवहार नहीं किया जाएगा। लामिछाने का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और पूर्व गृहमंत्री रमेश लेखक की गिरफ्तारी को लेकर देश की राजनीति में बहस तेज हो गई है। कुछ राजनीतिक दलों और नेताओं ने इन गिरफ्तारियों को प्रतिशोध की राजनीति बताया है, जबकि सरकार इसे कानून के दायरे में की गई कार्रवाई बता रही है। उनके इस बयान को वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में संतुलन बनाने और न्यायिक प्रक्रिया को राजनीतिक विवादों से अलग रखने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

सीपीएन-यूएमएल के केंद्रीय कार्यालय में युवा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, नेतृत्व परिवर्तन की मांग

काठमांडू। सीपीएन-यूएमएल से जुड़े युवा सदस्यों ने गुरुवार दोपहर ललितपुर के च्यासल स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भवन को घेरते हुए नेतृत्व में बदलाव की मांग को लेकर धरना दिया। यह प्रदर्शन उसी समूह द्वारा बुधवार को किए गए विरोध कार्यक्रमों के बाद हुआ है, जिसमें उन्होंने महासचिव शंकर पोखरेल का पुतला जलाया था और पार्टी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया था। युवाओं ने बताया कि सितंबर 2025 के 'जेन जी आंदोलन' और 5 मार्च के चुनाव के बाद भी पार्टी नेतृत्व में बदलाव के प्रति प्रतिरोध जारी रहने के कारण उन्हें हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि यूएमएल नेतृत्व बदलते राजनीतिक माहौल के अनुरूप खुद को ढालने में असफल रहा है। प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में संसदीय दल के नेता के चयन की भी आलोचना की। उनका कहना है कि पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की ही पीढ़ी के वरिष्ठ नेता राम बहादुर थापा को जबरन नियुक्त किया गया। इसके अलावा, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि युवा नेता सुहांग नेमबांग का अपमान किया गया और उन्हें नेतृत्व पद के लिए चुनाव लड़ने से रोका गया, जिसके विरोध में बुधवार रात काठमांडू में भी प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने पार्टी से इन निर्णयों को सुधारने और युवा नेताओं को आगे बढ़ने के अधिक अवसर देने की मांग की है।

संसद का 3 दिन का विशेष सत्र बुलाया जाएगा

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का आज अंतिम दिन है, लेकिन कार्यक्रम के अनुसार इसे अनिश्चितकाल के लिए खत्म नहीं किया जाएगा। बल्कि कुछ समय के लिए स्थगित किया जाएगा। इसके बाद दोबारा बुलाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े अहम बिल पर चर्चा की जाएगी। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने राज्यसभा में कहा कि सभी सदस्यों को इसकी जानकारी है। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि सत्र को बढ़ाने का मकसद महिला आरक्षण कानून में संशोधन है। हालांकि उन्होंने कगा कि संसद ने देश की महिलाओं से जो वादा किया है, उसे पूरा करना सरकार का कर्तव्य है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार 16 से 18 अप्रैल तक 3 दिन का विशेष सत्र बुलाने की तैयारी में हैं। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि सरकार को यह तय करने का अधिकार है कि कब कौन सा विधेयक लाया जाए। नेता प्रतिपक्ष खड़गे ने कहा- सरकार तानाशाही कर रही है। इतने अहम बिल लाने के समय और तरीके पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार चुनावी राज्यों में लागू आचार संहिता के बावजूद इस बिल को लाकर राजनीतिक फायदा लेना चाहती है। उन्होंने मांग की कि सर्वदलीय बैठक 29 अप्रैल के बाद कराई जाए।

स्टूडेंट्स के लिए हॉस्टल का किराया घटाया

कोटा। डॉक्टर और इंजीनियर बनने का सपना लेकर कोटा आने वाले देश भर के लाखों स्टूडेंट्स के लिए इस बार राहत भरी खबर है। नया सेशन शुरू होते ही स्टूडेंट्स का कोटा पहुंचना शुरू हो गया है, लेकिन इस बार उन्हें न तो महंगे कमरों की चिंता है और न ही बढ़ती फीस की। कोचिंग संस्थान इस बार 50 फीसदी तक स्कॉलरशिप दे रहे हैं। करीब 3 साल पहले तक जिस कोटा में स्टूडेंट्स को 15 हजार रुपए में भी कमरा मिलना मुश्किल हो रहा था, वहां अब 9 से 11 हजार रुपए में एसी, खाना और लॉन्ड्री जैसी सुविधा के साथ बेहतरीन विकल्प उपलब्ध हैं। कोटा में हॉस्टलों के अलावा कई पीजी भी हैं। पीजी में पहले किराया 5 से 6 हजार रुपए था। वर्तमान में 2 से 4 हजार रुपए लिए जा रहे हैं। 4 हजार रुपए भी बड़े हॉलनुमा कमरे का किराया है, जिसमें बिजली-पानी भी शामिल है। हॉस्टल एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन मित्तल ने बताया कि कोरोना के बाद अचानक स्टूडेंट्स की संख्या 1.90 लाख तक पहुंच गई थी, जिससे डिमांड बढ़ने पर रेट 15 हजार तक चले गए थे। अब स्थिति नियंत्रण में है। हॉस्टल संचालकों को 9 हजार से 11 हजार रुपए तक किराया रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें रूम, एसी, खाना, लॉन्ड्री और सफाई शामिल है। कभी सबसे महंगा रहने वाले राजीव गांधी नगर इलाके में अब 3 हजार रुपए तक में कमरे उपलब्ध हैं।

ईरान का बड़े जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश करने का दावा

एजेंसी, तेहरान

ईरान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत वेस्ट अज़रबैजान में खुफिया एजेंसियों ने बड़े जासूसी नेटवर्क का पर्दाफाश करने का दावा किया है। अधिकारियों के अनुसार, अलग-अलग अभियानों में एक जासूस और कई आतंकियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान अमेरिका और इज़राइल निर्मित उन्नत जासूसी व संचार उपकरणों की बड़ी खेप जब्त की गई है। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) की स्वामित्व वाले ईरानी के सरकारी समाचार संगठन प्रेसईडी टीवी ने बताया कि ईरानी खुफिया बलों ने देश के उत्तर-पश्चिमी प्रांत वेस्ट अजरबैजान में विभिन्न अभियानों में एक जासूस और कई आतंकियों को पकड़ने के अलावा उन्नत जासूसी और संचार उपकरणों की बड़ी खेप जब्त की है।

ईरान के खुफिया मंत्रालय के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी बयान के अनुसार, बलों ने जासूसी और संचार उपकरणों की एक बड़ी खेप का पता लगाया, जिसमें अमेरिका और इजराइल निर्मित 45 उपकरण शामिल थे। इन उपकरणों की देश में उत्तर-पश्चिमी सीमाओं के रास्ते तस्करी की जा रही थी। इन उपकरणों को देशभर में मौजूद जासूसों (ऑपरेटिव्स) के बीच वितरित किया जाना था। इसके अतिरिक्त, ईरानी खुफिया बल 8 आतंकियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने में सफल रहे। इनमें से 4 आतंकियों ने पीरानशहर में एक आतंकी सेल (गुट) स्थापित कर रखा था और वे ईरानी सैन्य ठिकानों के निर्देशांक से संबंधित जानकारी इजराइली खुफिया एजेंसी मोसाद के साथ साझा कर रहे थे। बाकी आतंकवादियों का पता उर्मिया और ओशनावियेह शहरों में लगाया गया और उन्हें वहीं से गिरफ्तार किया गया।

इससे जुड़े एक अन्य घटनाक्रम में अमेरिका और इज़राइल के इशारे पर जासूसी गतिविधियों में लिप्त एक व्यक्ति को पीरानशहर में दबोच लिया गया। वह ईरान के संवेदनशील स्थलों से संबंधित जानकारियां एकत्र कर रहा था। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई और कई सैन्य कमांडरों की मौत हो गई थी। इसके जवाब में ईरान ने पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिका और इजराइल के सैन्य ठिकानों पर जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमलों की श्रृंखला को अंजाम दिया। यह तब हुआ जब ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान और वाशिंगटन के बीच अप्रत्यक्ष वार्ताएं चल रही थीं।

देश में भूजल निगरानी के लिए अब तक स्थापित किए गए 47 हजार स्टेशनः केंद्र

एजेंसी, नई दिल्ली

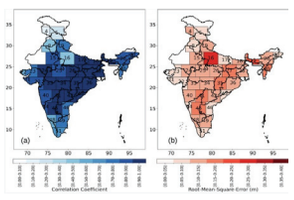

देश में भूजल स्तर और गुणवत्ता की निगरानी को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने अब तक लगभग 27 हजार स्टेशन भूजल स्तर और 20 हजार स्टेशन भूजल गुणवत्ता की स्थापना की है। यही केंद्र भूजल के मानकों की निगरानी करते हैं।

लोकसभा में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने बताया कि राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना और अटल भूजल योजना के तहत अब तक 22 हजार डिजिटल जल स्तर रिकॉर्डर (डीडब्ल्यूएलआर) दूरसंचारित मापन प्रणाली (टेलीमेट्री) के साथ लगाए गए हैं, जो वास्तविक समय पर डेटा केंद्रीय सर्वरों तक पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि जल शक्ति अभियान के तहत देशभर में 712 जल शक्ति केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो समुदाय स्तर पर जल और भूजल से जुड़े मुद्दों पर संवाद और जानकारी प्रसार का केंद्र बने हैं। इसके अलावा, जल संचय जन भागीदारी पहल के तहत वर्षा जल संचयन को जन आंदोलन बनाने का लक्ष्य रखा गया है और अब तक 49 लाख से अधिक संरचनाएं बनाई गई हैं।

राष्ट्रीय एक्वीफर मानचित्रण एवं प्रबंधन कार्यक्रम (नैक्विम) के पहले चरण में देश का लगभग 25 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र मानचित्रित किया गया है। इसके बाद नैक्विम 2.0 शुरू किया गया है, जिसमें अत्याधुनिक तकनीक से प्राथमिक क्षेत्रों का वैज्ञानिक डेटा तैयार किया जा रहा है। मिशन अमृत सरोवर के तहत देशभर में लगभग 69 हजार सरोवरों का निर्माण और पुनर्जीवन किया गया है।

अटल भूजल योजना ने सामुदायिक भागीदारी से भूजल प्रबंधन का सफल मॉडल प्रस्तुत किया है, जिसके तहत 83 हजार से अधिक संरचनाएं बनीं और 9 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में दक्ष सिंचाई पद्धतियां अपनाई गईं। देश में वार्षिक भूजल पुनर्भरण 2017 के 432 अरब घन मीटर (बीसीएम) से बढ़कर 2025 में 448.52 बीसीएम हो गया है।

भोजशाला मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई

एजेंसी, इंदौर/धार

धार के भोजशाला विवाद मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच सोमवार दोपहर ढाई बजे से सभी याचिकाओं को एक साथ सुनेगी। गुरुवार को हुई सुनवाई में अदालत ने स्पष्ट किया है कि पहले याचिकाकर्ताओं के तर्क सुने जाएंगे, फिर आपत्ति लगाने वालों को दलील रखने का अवसर दिया जाएगा।

सुनवाई के दौरान हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन, विनय जोशी मौजूद रहे जबकि मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की ओर से एडवोकेट सलमान खुर्शीद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला विवाद में अहम आदेश देते हुए स्पष्ट किया था कि मामले का अंतिम निर्णय अब हाईकोर्ट ही करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की सर्वे रिपोर्ट, वीडियोग्राफी और पक्षकारों की आपत्तियों पर हाईकोर्ट अंतिम सुनवाई में विचार करेगा। सभी मुद्दे हाईकोर्ट के समक्ष खुले रहेंगे और वहीं तय किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- ASI द्वारा तैयार की गई सर्वे रिपोर्ट सभी पक्षों को उपलब्ध करा दी गई है। कई पक्षों ने इस पर अपनी आपत्तियां भी दर्ज कराई हैं। ASI द्वारा की गई साइट की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी से जुड़े बिंदुओं को भी हाईकोर्ट गंभीरता से देखेगा।

नेपाल में एवरेस्ट स्कैंडल का भंडाफोड़

एजेंसी, काठमांडू

♦ खाने में बेकिंग सोडा मिलाकर बीमार करते थे, फिर हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू कराकर मोटा पैसा बनाते थे

नेपाल में माउंट एवरेस्ट से जुड़ा एक बड़ा स्कैंडल सामने आया है। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ शेरपा और ट्रेकिंग से जुड़े लोग मिलकर खाने में बेकिंग सोडा या एक खास दवा मिलाकर पर्यटकों को बीमार बनाकर महंगे हेलिकॉप्टर रेस्क्यू के जरिए करोड़ों का बीमा घोटाला कर रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल पुलिस ने इस मामले में 32 लोगों पर केस दर्ज किया है। इनमें ट्रेकिंग कंपनी के मालिक, हेलिकॉप्टर ऑपरेटर और अस्पताल से जुड़े लोग शामिल हैं। इन पर संगठित अपराध और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं।

इंटरनेशनल बीमा कंपनियों से पैसा वसूलीः नेपाल के ऊंचे पहाड़ी इलाकों में हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू करना कई बार लोगों की जान बचाने का जरूरी तरीका होता है। वहां ऑक्सीजन कम होती है और मौसम अचानक खराब हो सकता है, इसलिए बीमार या फंसे ट्रेकर को जल्दी काठमांडू पहुंचाना जरूरी होता है। लेकिन इसी सिस्टम का गलत फायदा भी उठाया जा रहा है। जल्दीबाजी, साफ जानकारी की कमी और सही निगरानी न होने के कारण यहां एक बड़ा बीमा घोटाला भी चल रहा है। जांच में सामने आया कि कुछ शेरपा, ट्रेकिंग एजेंसियों के साथ मिलकर पर्यटकों के खाने में बेकिंग सोडा मिला देते हैं। इससे पर्यटकों को तेज पेट दर्द, उल्टी और अन्य दिक्कतें होती थीं, जो ऊंचाई पर होने वाली बीमारी (एल्टीट्यूड सिकनेस) जैसी लगती हैं। कुछ मामलों में लोगों को डायमॉक्स (एक दवा जो ऊंचाई की बीमारी के लिए दी जाती है) के साथ ज्यादा पानी पिलाकर ऐसे लक्षण पैदा किए गए, जिससे लगे कि हालत गंभीर है।

जब पर्यटक बीमार पड़ जाते हैं, तो उन्हें महंगे हेलिकॉप्टरसे रेस्क्यू कराने के लिए दबाव बनाया जाता है। इसके बाद फर्जी मेडिकल रिपोर्ट और फ्लाइट दस्तावेज बनाकर इंटरनेशनल बीमा कंपनियों से पैसे वसूले जाते हैं। नेपाल चार्टर सर्विस, एवरेस्ट एक्सपीरियंस एंड असिस्टेंस और माउंटेन रेस्क्यू जैसी कंपनियां इस घोटाले में मुख्य रूप से शामिल बताई जा रही हैं।

बीमा कंपनियों के लिए सच का पता लगाना मुश्किलः रिपोर्ट के मुताबिक रेस्क्यू के दौरान एक ही हेलिकॉप्टर में कई लोगों को बैठाया जाता है, लेकिन हर व्यक्ति के नाम से अलग-अलग पूरा बिल बीमा कंपनी को भेजा जाता है, जैसे हर किसी के लिए अलग उड़ान हुई हो। जैसे 4000 डॉलर की उड़ान को 12000 डॉलर का क्लेम बना दिया जाता है। इसके लिए फर्जी फ्लाइट रिकॉर्ड बनाए जाते हैं। अस्पताल में भी नकली कागज तैयार होते हैं। सीनियर डॉक्टर के डिजिटल सिग्नेचर का इस्तेमाल करके रिपोर्ट बनाई जाती है, जबकि वे डॉक्टर उस केस में शामिल ही नहीं होते। कई बार तो डॉक्टरों को खुद पता नहीं होता कि उनके नाम से कागज बनाए गए हैं। कुछ मामलों में फर्जी रिकॉर्ड बनाकर पर्यटकों को अस्पताल में भर्ती दिखाया गया, जबकि सच में वे उसी समय अस्पताल की कैंटीन में बैठकर बीयर पी रहे थे। विदेश में बैठी बीमा कंपनियों के लिए यह जांच करना बहुत मुश्किल होता है कि दूर पहाड़ों में असल में क्या हुआ।

बीजेपी ऑफिस अटैक में पाक मेड ग्रेनेड यूज़ हुआ

एजेंसी, चंडीगढ़

♦ हमले से जुड़े 2 और वीडियो सामने आए, लुधियाना-जालंधर में सड़कों पर उतरे नेता

चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित पंजाब बीजेपी के मुख्यालय के बाहर हुए ब्लास्ट में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक इस हमले में GHD2P हैंड ग्रेनेड का इस्तेमाल किया गया था। यह ग्रेनेड पाकिस्तान में बनाया जाता है। जानकारी के अनुसार, विस्फोट के बाद यह करीब 5 से 10 मीटर के दायरे में बेहद घातक साबित हो सकता है। वहीं इसके टुकड़े 20 से 25 मीटर तक फैल सकते हैं, जिससे आसपास मौजूद लोगों के गंभीर रूप से घायल होने का खतरा रहता है। इससे पहले 2 नए वीडियो सामने आए। हमले से कुछ मिनट पहले वीडियो में BJP ऑफिस के पास स्थित एक अन्य दफ्तर के बाहर 2 संदिग्ध खड़े दिखाई दे रहे हैं। वहीं दूसरे वीडियो में हमले के बाद दोनों संदिग्ध सड़क के दूसरी ओर भागते हुए कैद हुए हैं। घटना के विरोध में लुधियाना-जालंधर और मोहाली में बीजेपी ने प्रदर्शन किया।

उधर, पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट को चौथी बार बम से उड़ने की धमकी ईमेल के जरिए मिली है। लेकिन इस बार ईमेल पुलिस हेडक्वार्टर में आई है। बताया जा हा है कि इससे पहले जो तीन ईमेल आई है, वह हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार की सरकारी ईमेल पर आई है। सुरक्षा एजेंसियों ने हाईकोर्ट की जांच की। बीजेपी वर्किंग प्रधान अश्वनी शर्मा ने कहा कि ऑफिस की सिक्योरिटी पंजाब पुलिस के पास थी। सरकार फंडिंग करने वाले का एजेंडा लागू कर रही। अब हमला करने वाले भी वीडियो बना रहे हैं। सीएम भगवंत मान ने कहा कि जब वह चंडीगढ़ को पंजाब की राजधानी बताते हैं, तो उन्हें गद्दार कहा जाता है। उन्होंने कहा कि बीजेपी को अपनी जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए और इस तरह की बेबुनियाद बातें नहीं करनी चाहिए।

बुधवार शाम को पंजाब बीजेपी के मुख्यालय के बाहर ब्लास्ट हुआ था। इससे मौके पर खड़ी कई कारों के शीशे टूट गए और आसपास की दीवार पर छर्रों के निशान बन गए। घटना के 2 वीडियो वायरल हुए, जिसमें से एक में व्यक्ति ग्रेनेड बम फेंकता दिखा। जबकि, दूसरे वीडियो में बाइक पर जाते दो लोग दिखे, जिन्हें हमलवार बताया गया। वहीं, सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी वायरल हुई, जिसमें इस हमले की जिम्मेदारी खालिस्तानी संगठन ने ली। अब तक पुलिस ने इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं की है। चंडीगढ़ की SSP कंवरदीप कौर ने कहा था कि क्रूड जैसी चीज फेंकी गई है। चंडीगढ़ पुलिस और सीएफएसएल की टीम ने बीजेपी ऑफिस के बाहर जांच की। BJP मुख्यालय के बाहर करीब 30 फुट दूरी से ग्रेनेड फेंका गया था। दीवार की ऊंचाई लगभग 3 फुट है, जबकि उसके ऊपर करीब 2 फुट ऊंची एल्यूमीनियम ग्रिल लगी हुई है। जिस जगह ग्रेनेड गिरा, वहां से बीजेपी दफ्तर के मुख्य द्वार की दूरी करीब 25 फीट बताई जा रही है। मुख्य द्वार के पास सुरक्षा कर्मियों के लिए केबिन बना हुआ है, जहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के दो जवान राउंड द क्लॉक तैनात रहते हैं।

हिमाचल में प्रीमियम शराब 105 तक महंगी

एजेंसी, शिमला

हिमाचल प्रदेश में शराब महंगी हो गई है। इसका असर लोकल लोगों के साथ देशभर से पहाड़ों पर घूमने आने वाले पर्यटकों पर भी पड़ेगा। शराब के शौकीन टूरिस्ट और लोकल को राज्य में अब महंगे दाम पर शराब मिलेगी। एक्साइज डिपार्टमेंट ने 2026-27 के लिए शराब के रेट तय कर दिए है। अंग्रेजी शराब के रेट अधिकतम 105 रुपए प्रति बोलत तक बढ़ाए हैं, जबकि रेगुलर ब्रांड की शराब के दाम में 10 से 30 रुपए तक की बढ़ौतरी की गई है। ऑफिसर चॉइस शराब में सबसे कम 10 रुपए बढ़ाए गए। हिमाचल में पहले यह 535 रुपए की मिल रही थी, अब इसके 545 रुपए देने होंगे।

रॉयल स्टैग की कीमत 750 से बढ़ाकर 770 रुपए प्रति बोतल की गई है। VAT 69 की कीमत में सबसे ज्यादा 105 रुपए बढ़ाए गए हैं। यानी प्रीमियम शराब के ज्यादा रेट बढ़ाए है। एक्साइज डिपार्टमेंट ने 2026-27 के लिए एमआरपी के तहत ही ठेके नीलाम किए हैं। बीते वित्त वर्ष ही एमएसपी को समाप्त कर एमआरपी की व्यवस्था शुरू की गई थी।

यानी अब कोई भी ठेका संचालक तय एमआरपी से अधिक दाम पर शराब नहीं बेच सकेगा। एमआरपी सिस्टम का फायदा यह है कि पर्यटकों को ओवरचार्जिंग से सुरक्षा मिलती है और वे तय कीमत से ज्यादा भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं होते। प्रदेश में शराब ठेकों की पहली बार ऑनलाइन नीलामी की गई है। एक्साइज डिपार्टमेंट ने शराब के सभी ठेकों पर रेट लिस्ट लगाना अनिवार्य किया है।

दिल्ली में करीब 1.5 लाख मीट्रिक टन मलबा हटाया गया

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में 6 से 31 मार्च तक निर्माण एवं विध्वंस कचरे (मलबे) को सड़कों, नालों, गलियों और अन्य सार्वजनिक स्थलों से बड़े पैमाने पर हटाने के लिए एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस पहल का उद्देश्य शहरी स्वच्छता में सुधार और धूल प्रदूषण को कम करके जन स्वास्थ्य को बेहतर बनाना था।

इस अभियान के दौरान दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सभी जोनों की संपूर्ण स्वच्छता व्यवस्था को समन्वित रूप से सक्रिय किया गया। नियमित कर्मचारियों एवं उपकरणों के साथ-साथ अतिरिक्त मानव संसाधन और मशीनरी की तैनाती कर अभियान को और तेज किया गया। प्रत्येक जोन में लगभग 50 अतिरिक्त सफाई कर्मियों की तैनाती की गई, जिससे जमीनी स्तर पर कार्य निष्पादन को काफी मजबूती मिली।

अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए जेसीबी, लोडर, हाईवे मशीनों सहित अन्य भारी मशीनरी का व्यापक उपयोग किया गया, जिससे सी एंड डी कचरे के संग्रहण एवं परिवहन को तेज और व्यवस्थित बनाया जा सका। इससे बड़े एवं दुर्गम स्थानों पर जमा कचरे को भी समयबद्ध तरीके से हटाना संभव हुआ।

साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में बिखरे हुए छोटे एवं अनधिकृत मलबे को भी वार्ड स्तर पर जूनियर इंजीनियरों द्वारा ऑटो टिपर एवं एमसीडी संसाधनों की सहायता से व्यवस्थित रूप से हटाया गया। इस मलबे को लगभग 125 चिन्हित एमसीडी संग्रहण केंद्रों तक पहुंचाया गया, जहां से इसे आगे अधिकृत सी एंड डी कचरा प्रसंस्करण संयंत्रों तक भेजा जा रहा है। पूरे दिल्ली से लगभग 1,52,143 मीट्रिक टन मलबा हटाया गया।

देश में 60 दिनों के कच्चा तेल का भंडार मौजूद

एजेंसी, नई दिल्ली

❐ आठ राज्यों को कमर्शियल एलपीजी कोटा 10 फीसदी बढ़ा

पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के बीच भारत के पास अगले 60 दिनों की मांग पूरा करने के लिए कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में किसी भी संभावित उतार-चढ़ाव के बीच भारत सरकार ने देश की ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जानकारी दी है कि सभी घरेलू उपभोक्ताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। पिछले एक महीने में 3.33 लाख पीएनजी कनेक्शन दिए गए हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने गुरुवार को पश्चिम एशिया हालिया घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी प्रेस ब्रीफिंग में देश के सामरिक ऊर्जा भंडार स्थिति पर आधिकारिक जानकारी साझा की है। उन्होंने आश्वस्त किया कि रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं और सल्फर की कोई कमी नहीं है। हमारे रिटेल आउटलेट सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतार-चढ़ाव के बावजूद, ईंधन की कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

शर्मा ने कहा कि कीमतों को स्थिर बनाए रखने के लिए भारत सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की है, जबकि इस बोझ का एक हिस्सा तेल विपणन कंपनियां वहन कर रही हैं। घरेलू उपभोक्ताओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति 100 फीसदी सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही व्यावसायिक गतिविधियों और औद्योगिक मांग को सुचारू बनाए रखने के लिए सरकार ने आठ राज्यों के लिए कमर्शियल एलपीजी सिलिंडरों के कोटे में अतिरिक्त 10 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेसवार्ता में कहा कि भारत सरकार ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों की स्थिति पर करीब से नजर रख रही है और अपने दूतावास के ज़रिए उनकी सुरक्षित आवाजाही में मदद कर रही है। उन्होंने बताया कि अब तक लगभग 1,200 भारतीय नागरिकों को जमीनी सीमाओं के रास्ते ईरान से निकलकर आर्मेनिया और अजरबैजान जाने में मदद की गई है। इनमें से 996 लोग आर्मेनिया और 204 लोग अजरबैजान पहुंचे हैं। इसके अलावा हाल के दिनों में कई भारतीय नागरिकों को ईरान के भीतर ही ज्यादा सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। भारत सरकार ने भारतीय नागरिकों की सुरक्षित आवाजाही में मदद करने के लिए आर्मेनिया और अज़रबैजान के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर महाजन ने कहा कि भारत सरकार खाड़ी और पश्चिम एशिया में स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रही है, जिसमें भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। एक समर्पित कंट्रोल रूम काम कर रहा है, जबकि मिशन और वाणिज्य दूतावास चौबीसों घंटे हेल्पलाइन चला रहे हैं। इसके साथ ही वे सामुदायिक समूहों से जुड़ रहे हैं और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के समन्वय से नियमित परामर्श जारी कर रहे हैं।

नागरिक देवो भवःभ्रष्टाचार-मुक्त भारत की ओर एक निर्णायक यात्रा- आम नागरिक के लिए सरकार का मतलब संसद या मंत्रालय नहीं, उसका स्थानीय सरकारी तहसील कार्यालय, नगर निगम,पुलिस स्टेशन, सरकारी अस्पताल ही सरकार का चेहरा होता है-समग्र विश्लेषण

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

» भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं, सामाजिक विश्वास का हनन- नागरिक सर्वोपरि और उसकी सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य है अपने की जरुरत

» भ्रष्टाचार को जीरो टॉलरेंस क्रने,डेडलाइन बनाने के साथ -साथ शासकीय रुतबे को त्यागने, सेवा को अपनाने नागरिक देवो भव को जीवन का मूल मंत्र बनाने का संकल्प लेना जरुरी -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत की सभ्यता और संस्कृति का मूल मंत्र सदियों से अतिथि देवो भव रहा है, जिसने न केवल सामाजिक मूल्यों को आकार दिया,बल्कि भारत की वैश्विक पहचान भी स्थापित की।किंतु आज के परिवर्तित समय में यह आवश्यकता महसूस की जा रही है कि इस मंत्र को एक व्यापक और अधिक समकालीन रूप देते हुए नागरिक देवो भव के रूप में स्थापित किया जाए। यह केवल एक नारा नहीं,बल्कि शासन व्यवस्था में मूलभूत परिवर्तन का दर्शन है। जब तक शासन के केंद्र में नागरिक नहीं होगा,तब तक विकास की कोई भी परिकल्पना अधूरी ही रहेगी। यह मंत्र केवल एक नारा नहीं, बल्कि शासन व्यवस्था के मूल चरित्र में आमूल-चूल परिवर्तन का आह्वान है। 2 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री द्वारा कर्मयोगी साधना सप्ताह के दौरान दिया गया संदेश इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हो सकता है।वर्तमान समय में जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में 2047 का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है तब भ्रष्टाचार इस यात्रा का सबसे बड़ा अवरोध बनकर सामने आता है।इसलिए यह समय की मांग है कि जैसे नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए समय सीमा 31 मार्च 2026 निर्धारित की गई और लक्ष्य को प्राप्त कर लिया गया,वैसे ही भ्रष्टाचार के समूल नाश के लिए भी एक ठोस और समयबद्ध रणनीति अपनाई जाए। जिसकी मांग मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र गृह मंत्री श्री अमित शाह जी से हर आर्टिकल के माध्यम से करते रहता हूं आज फिर इस आर्टिकल के माध्यम से निवेदन कर रहा हूं।भ्रष्टाचार केवल आर्थिक अपराध नहीं है,यह सामाजिक विश्वास का हनन है। यह उस तंत्र को खोखला करता है, जिसपर लोकतंत्र टिका होता है। विकसित भारत के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध यदि हम ईमानदारी से आत्ममंथन करें,तो पाएंगे कि भारत के विकास के मार्ग में सबसे बड़ा रोड़ा भ्रष्टाचार है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं पहुंचाता, बल्कि सामाजिक विश्वास, प्रशासनिक पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करता है।भ्रष्टाचार एक ऐसी दीमक है, जो व्यवस्था को भीतर से खोखला कर देती है। चाहे वह एक छोटे स्तर का कर्मचारी हो या उच्च पदस्थ अधिकारी जब तक काम निकालने की मानसिकता और जुगाड़ संस्कृति समाज में बनी रहेगी, तब तक भ्रष्टाचार का पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं।जब एक आम नागरिक सरकारी दफ्तर में जाता है,तो वह केवल एक सेवा की अपेक्षा नहीं करता,बल्कि वह न्याय,पारदर्शिता और सम्मान की भी उम्मीद करता है। यदि उसे वहां भ्रष्टाचार,उपेक्षा या अपमान का सामना करना पड़ता है,तो उसका विश्वास न केवल उस संस्था से,बल्कि पूरे शासन तंत्र से उठने लगता है।यही कारण है कि नागरिक देवो भव की अवधारणा अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है,क्योंकि यह शासन के हर स्तर पर यह सुनिश्चित करती है कि नागरिक सर्वोपरि है और उसकी सेवा ही सर्वोच्च कर्तव्य है। साथियों बात अगर हम नागरिक देवो भव की संकल्पना को समझने की करें तो इसका का अर्थ है,हर नागरिक को सर्वोच्च प्राथमिकता देना।यह सोच प्रशासन को पावर-सेंट्रिक से पीपल-सेंट्रिक बनाती है।इस अवधारणा के अंतर्गतःसरकारी पद केवल अधिकार का प्रतीक नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम बनता है,अधिकारी और कर्मचारी अपने रुतबे को त्यागकर सेवाभाव को अपनाते हैं, हर निर्णय में नागरिक के हित को सर्वोपरि रखा जाता हैयदि चपरासी से लेकर मंत्री तक हर व्यक्ति इस भावना को आत्मसात कर ले, तो भ्रष्टाचार का स्वतः ही अंत हो सकता है।व्यक्तिगत परिवर्तन से संस्थागत परिवर्तन तक पीएम ने अपने संबोधन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बात कही हमारा व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बन सकता है।यह विचार अत्यंत गहरा है। जब एक व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति ईमानदार होता है, तो उसका प्रभाव पूरे संस्थान पर पड़ता है।एक ईमानदार क्लर्क पूरी फाइल प्रक्रिया को पारदर्शी बना सकता है,एक जिम्मेदार अधिकारी पूरे विभाग की कार्यशैली बदल सकता हैएक संवेदनशील मंत्री नीति निर्माण को जनहितकारी बना सकता है,इस प्रकार,इंडिविजुअल ट्रांसफॉर्मेशन ही इंस्टिट्यूशनल ट्रांसफॉर्मेशन का आधार बनता है।स्थानीय प्रशासनः सरकार का वास्तविक चेहरा आम नागरिक के लिए सरकार का मतलब संसद या मंत्रालय नहीं होता, बल्कि उसका स्थानीय सरकारी कार्यालय ही सरकार का चेहरा होता है।तहसील कार्यालय नगर निगम,पुलिस स्टेशन,सरकारी अस्पताल यही वे स्थान हैं, जहां नागरिक सीधे सरकार से जुड़ता है। यदि यहां का व्यवहार सकारात्मक, पारदर्शी और संवेदनशील होगा, तो लोकतंत्र में विश्वास स्वतः ही मजबूत होगा। लेकिन यदि यहां भ्रष्टाचार, देरी और असंवेदन शीलता होगी, तो जनता का विश्वास डगमगा जाएगा।कर्तव्य- प्रधान प्रशासनः अधिकार से अधिक जिम्मेदारीपीएम ने प्रशासनिक संस्कृति में एक महत्वपूर्ण बदलाव की आवश्यकता पर जोर दिया, अधिकार से अधिक कर्तव्य पर ध्यान केंद्रित करना।भारतीय संविधान भी यही सिखाता है कि अधिकार, कर्तव्यों के निर्वहन से ही प्राप्त होते हैं।जब कोई अधिकारी हर निर्णय से पहले यह सोचता है कि:यह निर्णय जनता के लिए कितना लाभकारी है? इससे कितने लोगों का जीवन प्रभावित होगा?तो उसके निर्णय स्वतः ही अधिक प्रभावी और सटीक रूप से अति जनहितकारी बन जाते हैं। साथियों बात अगर हम हरशासकीय कर्मचारी द्वारा इस भाव की संकल्पना को समझने की करें तो,हम आज आवश्यकता है कि चपरासी से लेकर उच्चतम अधिकारी तक,संत्री से लेकर मंत्री तक,हर शासकीय कर्मचारी इस भावना को अपने भीतर आत्मसात करे। पद का अहंकार छोड़कर सेवा का भाव अपनाना ही इस परिवर्तन की कुंजी है। जब एक अधिकारी अपने पद को अधिकार के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखेगा, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।यह व्यक्तिगत परिवर्तन ही संस्थागत परिवर्तन का आधार बनता है। यदि हर व्यक्ति यह सोचने लगे कि उसके एक निर्णय से कितने लोगों का जीवन प्रभावित होगा,तो वह निर्णय अधिक जिम्मेदार और पारदर्शी होगा। साथियों बात अगर हम वर्तमान समय में भारत की करें तो, भारत एक आकांक्षी समाज के रूप में उभर रहा है, जहां हर नागरिक के अपने सपने हैं, अपने लक्ष्य हैं। इन सपनों को साकार करने की जिम्मेदारी केवल नागरिक की नहीं, बल्कि पूरे शासन तंत्र की भी है। जब सरकार और नागरिक के बीच विश्वास का संबंध मजबूत होता है, तभी विकास की गति तेज होती है।इसके लिए यह आवश्यक है कि प्रशासनिक व्यवस्था अधिकसंवेदनशील उत्तरदायी और पारदर्शी बने। नागरिक देवो भव का सिद्धांत इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो शासन को नागरिक- केंद्रित बनाने का प्रयास है।इस संदर्भ में क्षमता निर्माण आयोग (कैपेसिटी बिल्डिंग कमिशन) और आईगोट मिशन कर्मयोगी जैसी पहलें अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इनका उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं है,बल्कि एक नई कार्यसंस्कृति का निर्माण करना है, जहां हर सरकारी कर्मचारी एक कर्मयोगी के रूप में कार्य करे। कर्मयोगी वह होता है,जो अपने कर्तव्य को पूजा मानता है और बिना किसी स्वार्थ के सेवा करता है। जब यह भावना प्रशासन में विकसित होती है,तो वह केवल कार्य निष्पादन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनती है।प्रशासनिक सुधारों के लिए यह भी आवश्यक है कि विभागों के बीच समन्वय और संवाद को बढ़ावा दिया जाए। अक्सर देखा जाता है कि विभिन्न विभागों के बीच संवादहीनता के कारण योजनाएं प्रभावी रूप से लागू नहीं हो पातीं। इससे न केवल संसाधनों की बर्बादी होती है, बल्कि नागरिकों को भी असुविधा का सामना करना पड़ता है। यदि सभी विभाग एक साझा दृष्टिकोण और समझ के साथ कार्य करें, तो शासन अधिक प्रभावी और सटीक रूप से परिणामोन्मुखी बन सकता है। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार को जीरो टॉलरेंस की नीति को समझने की करें तो, भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए केवल नीतियां बनाना पर्याप्त नहीं है,बल्कि उन्हें प्रभावी रूप से लागू करना भी आवश्यक है।इसके लिए एक सशक्त निगरानी तंत्र, पारदर्शी प्रक्रिया और समयबद्ध कार्रवाई अनिवार्य है। यदि किसी भ्रष्टाचार के मामले की जांच वर्षों तक लंबित रहती है, तो यह न केवल न्याय में देरी है,बल्कि यह भ्रष्टाचार को बढ़ावा भी देता है।इसलिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक मामले की जांच के लिए एक निश्चित समयसीमा तय की जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए स्रोतों की करें तो,तकनीक का उपयोग भी भ्रष्टाचार को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डिजिटल गवर्नेंस, ऑनलाइन सेवाएं,और पारदर्शी डेटा प्रणाली से न केवल प्रक्रियाएं सरल होती हैं, बल्कि मानव हस्तक्षेप भी कम होता है, जिससे भ्रष्टाचार की संभावनाएं घटती हैं। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी योजनाओं ने यह साबित किया है कि यदि सही तरीके से तकनीक का उपयोग किया जाए, तो बिचौलियों की भूमिका समाप्त की जा सकती है और लाभ सीधे नागरिकों तक पहुंचाया जा सकता है। साथियों बात अगर हम नागरिक देवो भव के क्रियान्वयन की करें तो इसकी भावना को केवल सरकारी कर्मचारियों तक सीमित नहीं रखा जा सकता, बल्कि इसे समाज के हर वर्ग तक फैलाना होगा।जब नागरिक स्वयं भी अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक होंगे और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाएंगे,तभी यह आंदोलन व्यापक रूप ले सकेगा। इसके लिए जन जागरूकता अभियान, शिक्षा और सामाजिक सहभागिता अत्यंत आवश्यक हैं। सफलता का एक महत्वपूर्ण सिद्धांत यह भी है कि दूसरों को छोटा दिखाने के बजाय स्वयं को बेहतर बनाया जाए। यही सिद्धांत शासन व्यवस्था पर भी लागू होता है। यदि हम अपने तंत्र को अधिक सक्षम, पारदर्शी और संवेदनशील बनाते हैं, तो भ्रष्टाचार स्वतः ही समाप्त होने लगेगा। इसके लिए निरंतर सुधार,नवाचार और सीखने की प्रवृत्ति को सटीक रूप से अपनाना होगा। साथियों बात अगर हम गुरुवार दिनांक 2 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री द्वारा कर्मयोगी साधना सप्ताह के दौरान दिए गए संदेश को समझने की करें तो वह इसी दिशा में एक प्रेरणास्रोत है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि शासन का मूल मंत्र नागरिक देवो भव होना चाहिए और प्रत्येक लोक सेवक को अपने कर्तव्यों का पालन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि आम नागरिक के लिए स्थानीय सरकारी कार्यालय ही सरकार का चेहरा होता है, इसलिए, वहां का व्यवहार और कार्यशैली अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वहां पारदर्शिता, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व होगा, तो जनता का विश्वास स्वतः ही मजबूत होगा। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किनागरिक देवो भव केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक क्रांति है,एक ऐसी क्रांति, जो भारत की प्रशासनिक, सामाजिक और नैतिक संरचना को बदल सकती है।यदिःहर अधिकारी सेवाभाव अपनाए,हर नागरिक जागरूक बने,हर निर्णय में जनहित सर्वोपरि होतो वह दिन दूर नहीं, जब भारत वास्तव में भ्रष्टाचार मुक्त बन जाएगा।और तब विकसित भारत 2047 केवल एक सपना नहीं,बल्कि एक साकार वास्तविकता होगी।अंततः, यह समय है,रुतबे को त्यागने का,सेवा को अपनाने का,और "नागरिक देवो भव" को जीवन का मूल मंत्र बनाने का है।

संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

रंगमंचः वह ऑफलाइन दुनिया, जहाँ इमोजी नहीं, असली आँसू बहते हैं

लेखक- दिलीप कुमार पाठक

हिंदी रंगमंच को लेकर हमारे समाज में एक अजीब सी रूमानी किस्म की सहानुभूति है, जो अक्सर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ही खत्म हो जाती है। 3 अप्रैल का दिन हम हिंदी रंगमंच दिवस के नाम पर दर्ज तो कर लेते हैं, लेकिन क्या हम उस बेचैनी को समझ पा रहे हैं जो इस कला की जड़ों में है? 1868 में जब बनारस के मंच पर जानकी मंगल नाटक खड़ा हुआ था, तो वह कोई मनोरंजन का साधन भर नहीं था। वह एक भाषा का अपने वजूद के लिए किया गया ऐलान था। आज डेढ़ सौ साल बाद, हम उस ऐलान की गूँज को डिजिटल शोर के बीच खो चुके हैं। रंगमंच असल में मनुष्य के भीतर की उस आदिम भूख का नाम है, जो कैमरे की आंख से बचकर सीधे साक्षात इंसान से आंख मिलाना चाहती है। यह कला किसी रीटेक की मोहताज नहीं है और न ही यहाँ कोई एडिटिंग टेबल गलतियों को सुधारने के लिए बैठी है। सिनेमा हमें एक निर्मित सत्य दिखाता है, जहाँ निर्देशक तय करता है कि आपको क्या देखना है। इसके उलट रंगमंच एक लोकतांत्रिक अनुभव है। मंच पर खड़ा अभिनेता अपने पसीने, अपनी कांपती आवाज और अपनी आँखों की नमी के साथ दर्शक के सामने पूरी तरह निहत्था होता है। यही वह लाइव होने का जोखिम है, जो रंगमंच को दुनिया की सबसे जांबाज कला बनाता है। आज के दौर में जब हम पिक्सेल और स्क्रीन की परतों में इतने गहरे धंस चुके हैं कि हमें बगल में बैठे इंसान की सांसों की गर्माहट महसूस होना बंद हो गई है, तब रंगमंच हमें एक सामूहिक चेतना का हिस्सा बनाता है। यह हमें कंज्यूमर से वापस इंसान बनाने की प्रक्रिया है। जब हॉल की लाइटें बुझती हैं और मंच पर रोशनी का एक कतरा पड़ता है, तो वहां बैठा हर दर्शक उस किरदार के दर्द का साझीदार बन जाता है।हिंदी रंगमंच का इतिहास गवाह है कि इसने कभी महलों की चाटुकारिता नहीं की। भारतेंदु से लेकर हबीब तनवीर तक, नाटकों ने हमेशा सत्ता के गलियारों में चुभते हुए सवाल भेजे हैं। अंधेर नगरी का वह टके सेर वाला न्याय आज भी हमारे लोकतंत्र की सड़कों पर बदहवास घूम रहा है। आषाढ़ का एक दिन की मल्लिका का वह अंतहीन इंतज़ार आज भी हर उस व्यक्ति की कहानी है जो अपनी अस्मिता और प्रेम के बीच पिस रहा है। रंगमंच हमें आईना दिखाता है, और आईना कभी सुखद नहीं होता। वह हमें हमारी झुर्रियां दिखाता है, हमारे भीतर की कुंठाएं दिखाता है और हमें मजबूर करता है कि हम खुद से रूबरू हों। यही कारण है कि सत्ताएं हमेशा रंगमंच से डरती रही हैं, क्योंकि यहाँ संवाद केवल जुबानों से नहीं, रूहों से होता है।

लेकिन आज एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हम एक दर्शक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं? हिंदी रंगमंच आज भी उन चंद पागलों के भरोसे जिंदा है जो दिन भर की थकाऊ नौकरी के बाद शाम को रिहर्सल के लिए अंधेरे कमरों में जुटते हैं। उनके पास न तो कॉर्पोरेट की फंडिंग है और न ही चमक-धमक वाले विज्ञापनों का सहारा। उनके पास सिर्फ एक जुनून है जो उन्हें हर शाम फिर से मेकअप रूम में ले आता है। वे जानते हैं कि शो खत्म होने के बाद उन्हें उसी साधारण जिंदगी में लौटना है जहाँ बिल भरने की चिंता है। फिर भी, वे हर रात मंच की वेदी पर खुद को होम करते हैं ताकि संवाद की लौ बुझने न पाए। क्या हमने कभी सोचा है कि एक टिकट खरीदकर नाटक देखना किसी मंदिर में दान देने से कहीं बड़ी सांस्कृतिक सेवा है? रंगमंच हमें देखना नहीं, महसूस करना सिखाता है। डिजिटल दुनिया ने हमें जोड़ा तो बहुत है, लेकिन हमें अकेला कर दिया है। हम अपनी स्क्रीन पर दुनिया भर का दुख देखते हैं और एक इमोजी बनाकर आगे बढ़ जाते हैं। रंगमंच पर ऐसा नहीं होता। वहां अभिनेता के आंसू दर्शक के गालों पर महसूस किए जाते हैं। यह वह जगह है जहाँ मनुष्यता का आखिरी सिरा सुरक्षित है। अगर रंगमंच मर गया, तो समझ लीजिए कि हमारे समाज से सहानुभूति और प्रतिरोध की क्षमता हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। संवादहीनता के इस दौर में नाटक ही वह आखिरी खिड़की है जहाँ से ताजी हवा आ सकती है। आज इस खास दिन पर हमें यह समझना होगा कि नाटक का पर्दा केवल लकड़ी के तख्तों पर नहीं गिरता, वह हमारे भीतर के अंधकार पर भी गिरना चाहिए। हिंदी रंगमंच की ताकत उसकी भव्यता में नहीं, बल्कि उसकी सादगी और सच्चाई में है। यह उत्सव केवल इतिहास की किसी तारीख को याद करने का नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर के उस दर्शक को जगाने का है जो भीड़ में अपनी पहचान खो चुका है।

बुज़ुर्गों के भरण-पोषण के लिये एक सराहनीय पहल

लेखक - ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है-"मातृदेवो भव, पितृदेवो भव" केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित "तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026" एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से "माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007" मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं। यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं। इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है। बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता ने उनके लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है, इसलिए बुढ़ापे में उनकी सेवा और सम्मान उनका नैतिक कर्तव्य है। वहीं माता-पिता को भी यह समझना चाहिए कि समय बदल गया है, नई पीढ़ी की जीवनशैली और सोच अलग है, इसलिए उन्हें बच्चों को समझने और उन्हें स्वतंत्रता देने की आवश्यकता है। वास्तव में परिवार एक संस्था है, जो प्रेम, त्याग, सम्मान और संवाद पर चलती है, न कि केवल अधिकार और अनुशासन पर। जहां केवल अधिकार होंगे, वहां टकराव होगा; जहां केवल त्याग होगा, वहां असंतुलन होगा; लेकिन जहां प्रेम और संतुलन होगा, वहां परिवार मजबूत होगा। तेलंगाना का यह कानून एक महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन यह अंतिम समाधान नहीं है। कानून बच्चों को माता-पिता का भरण-पोषण करने के लिए मजबूर कर सकता है, लेकिन वह प्रेम, सम्मान और संवेदना पैदा नहीं कर सकता। इसके लिए समाज में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता है। स्कूलों में, सामाजिक संस्थाओं में और धार्मिक संगठनों में परिवार और बुजुर्गों के सम्मान की शिक्षा दी जानी चाहिए। आज "नया भारत" और "विकसित भारत" की बात की जा रही है, लेकिन केवल आर्थिक विकास ही पर्याप्त नहीं है। यदि समाज में बुजुर्ग असुरक्षित, उपेक्षित और अपमानित होंगे, तो विकास अधूरा रहेगा। वास्तविक विकास वही है जिसमें समाज का हर वर्ग-बच्चे, युवा, महिलाएं और बुजुर्ग सुरक्षित और सम्मानित जीवन जी सकें। अतः आवश्यक है कि हम तीन स्तरों पर कार्य करें-पहला, सरकार और कानून बुजुर्गों की आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करें। दूसरा, समाज में माता-पिता के सम्मान और सेवा के संस्कार विकसित किए जाएं। तीसरा, परिवार के भीतर माता-पिता और बच्चों के बीच संतुलित और संवादपूर्ण संबंध स्थापित किए जाएं।

धार्मिक आयोजनों के कुप्रबंध का नतीजा है भगदड़ में मौतें

लेखक - मनोज कुमार अग्रवाल

धार्मिक आयोजनों में आए दिन भगदड़ में लोग अकाल मृत्यु के निवाले बन रहे हैं। भगदड़ में आम आदमी का दब कुचलकर मरना अब एक नियती सी बन गयी है। कुंभ के मेले से लेकर खेल के मैदान, राजनेताओं की सभा, फिल्म सितारों के जश्न, कथावाचकों के पांडालों और धार्मिक आस्था के केंद्र मंदिरों तक बार बार इन घटनाओं की पुनरावृत्ति हो रही है। ऐसी घटनाओं में हर बार आम आदमी ही मारा जाता है। बार बार हो रहे ऐसे हादसों से फिलहाल तो कोई सबक नहीं लिया गया है लेकिन अब समय आ गया है कि भीड़ नियंत्रण के लिए राष्ट्र व्यापी ठोस रणनीति बनायी जाए ।अब ऐसा ही दुखद वाक्या बिहार के नालंदा जिले के शीतला मंदिर में मंगलवार को भारी भीड़ उमड़ पड़ी. चैत्र महीने के आखिरी मंगलवार को उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से अव्यवस्था की स्थिति बन गई. इससे मची भगदड़ में आठ लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग जख्मी बताए जा रहे हैं. आपको बता दें कि अभी तीन माह पहले आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में भी ऐसा ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना में आठ महिलाओं और एक बच्चे समेत नौ की जान गयी है। देश के किसी न किसी हिस्से से कुछ समय के अंतराल पर ऐसी खबरें आती ही रहती है। दुःखद पहलू यह है कि जब भी ऐसी कोई खबर आती है, तो दुःख जताने के साथ जांच कमेटी बैठा दी जाती है। साथ ही मुआवजा देकर मरहम लगाकर लीपापोती कर दी जाती है, लेकिन इससे सबक लेते हुए इसको रोकने के लिए कदम कम ही उठाये जाते हैं। आपको याद रहे पिछले दिनों तमिलनाडु के करूर में टीवीके प्रमुख और अभिनेता विजय की रैली के दौरान मची भगदड़ में 40 से अधिक लोगों की जान गई। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी टीवीके ने करूर में हुई रैली में हुई भगदड़ के पीछे डीएमके पर साजिश का आरोप लगाया था । इस साल 2025 में मंदिरों, रेलवे स्टेशन और महाकुंभ में भगदड़ में कई लोगों की जान गई है।

आपको बता दें देश में पिछले दो दशक में दो दर्जन बार भगदड़ में करीब 1500 लोगों की जानें गई हैं, जबकि हजारों लोग घायल हुए हैं। 2025 को भगदड़ दुर्घटनाओं का साल कहा जाए तो गलत नहीं होगा। साल की शुरुआत 8 जनवरी, 2025 तिरुमाला हिल्स में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए टिकट लेने के लिए सैकड़ों श्रद्धालुओं के बीच हुई धक्का-मुक्की में छह श्रद्धालुओं की जान चली गई। दर्जनों लोग घायल हो गए। महाकुंभ के दौरान 29 जनवरी को संगम क्षेत्र में भगदड़ मच गई। मौनी अमावस्या के अवसर पर लाखों तीर्थयात्री स्नान के लिए जगह पाने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे। भगदड़ में 30 लोगों की मौत हो गई, 60 लोग घायल हो गए। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न में बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हादसा हो गया। विक्ट्री परेड शुरू होने से पहले अचानक भीड़ बेकाबू हो गई, जिससे भगदड़ मची। इस हादसे में 11 लोगों की जान चली गई और कम से कम 50 लोग घायल हुए। 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 14 और 15 पर भगदड़ मच गई। भगदड़ में 18 लोगों की जान चली गई, 15 घायल हो गए। तीन मई को गोवा के शिरगाओ गांव में श्री लैराई देवी मंदिर के वार्षिक उत्सव के दौरान मची भगदड़ में 6 लोगों की मौत और करीब 100 लोग घायल हो गए। इससे पहले 4 दिसंबर 2024 को हैदराबाद में अल्लू अर्जुन की ब्लॉकबस्टर 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में 35 वर्षीय महिला की मौत हो गई। तीन जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में स्वयंभू बाबा भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि द्वारा आयोजित 'सत्संग' (प्रार्थना सभा) में भगदड़ से 121 लोगों की मौत हो गई.। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक मंदिर में 31 मार्च 2023 को रामनवमी के अवसर पर आयोजित 'हवन' समारोह के दौरान 'बावड़ी' या कुएं के ऊपर बनी स्लैब के ढह जाने से 36 लोगों की जान चली गई। 2022 के पहले दिन जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मची भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई। 29 सितंबर 2017 को मुंबई में पश्चिमी रेलवे के एलफिंस्टन रोड स्टेशन को मध्य रेलवे के परेल स्टेशन से जोड़ने वाले पुल पर मची भगदड़ में 23 लोगों की मौत हो गई। गोदावरी नदी के तट पर 14 जुलाई 2015 को हुई भगदड़ में 27 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, 20 घायल हो गए। दशहरा समारोह 3 अक्टूबर 2014 को मेला समाप्त होने के तुरंत बाद पटना के गांधी मैदान में मची भगदड़ में 32 लोगों की मौत हो गई। इससे पहले 13 अक्तटूबर 2013 को मध्य प्रदेश के दतिया जिले में रतनगढ़ मंदिर के पास नवरात्रि उत्सव के दौरान भगदड़ में 115 लोगों की जान चली गई और 100 से अधिक घायल हो गए। 19 नवंबर, 2012 को पटना में गंगा नदी के किनारे अदालत घाट पर छठ पूजा के दौरान पुल के ढह जाने से मची भगदड़ में 20 लोग मारे गए। 8 नवंबर, 2011को हरिद्वार में गंगा नदी के किनारे घाट पर भगदड़ मचने से 20 लोग मारे गए थे। 14 जनवरी, 2011केरल के इडुक्की जिले के पुलमेडु में जीप के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से मची भगदड़ में 104 श्रद्धालु मारे गए, 40 से अधिक घायल हो गए। 4 मार्च, 2010 उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में कृपालु महाराज के राम जानकी मंदिर में भगदड़ में लगभग 63 लोग मारे गए। 30 सितंबर, 2008 राजस्थान के जोधपुर में चामुंडा देवी मंदिर में बम विस्फोट की अफवाहों के कारण मची भगदड़ में 250 श्रद्धालु मारे गए, 60 से अधिक घायल हो गए। 3 अगस्त, 2008 हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले में नैना देवी मंदिर में चट्टान गिरने की अफवाह उड़ी, जिसमें 162 लोग मारे गए। 25 जनवरी, 2005 महाराष्ट्र के सतारा जिले में मंधारदेवी मंदिर मेंथा मे थे वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान 340 से अधिक श्रद्धालु कुचलकर मारे गए। 27 अगस्त, 2003 महाराष्ट्र के नासिक जिले में कुंभ मेले में स्नान के दौरान भगदड़ में 39 लोग मारे गए।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भारत के 4 बल्लेबाज टॉप-10 में

साउथ अफ्रीकी एस्टरहुइजन 39वें स्थान पर; ऑलराउंडर में हार्दिक टॉप-2

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भारत के 4 बल्लेबाज टॉप-10 में हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 200 रन बनाने वाले साउथ अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइजन 64 स्थान की छलांग लगाकर 39वें स्थान पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर्स रैंकिंग में हार्दिक पंड्या नंबर-2 पर बने हुए हैं।

अभिषेक टॉप पर काबिज

टी-20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में अभिषेक शर्मा 875 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। दूसरे नंबर पर भी भारत के ईशान किशन हैं। टॉप-10 में भारत के कुल 4 बल्लेबाज शामिल हैं। इसमें तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव भी जगह बनाने में सफल रहे हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान तीसरे नंबर पर हैं, जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट चौथे स्थान पर हैं। ऑलराउंडर में सिकंदर रजा पहले पायदान पर ऑलराउंडर रैंकिंग में जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा 328 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। भारत के हार्दिक पंड्या 299 रेटिंग के साथ दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के सैम अयूब तीसरे और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी चौथे नंबर पर हैं।

गेंदबाजी में राशिद नंबर-1

गेंदबाजों की रैंकिंग में अफगानिस्तान के राशिद खान 753 रेटिंग के साथ पहले नंबर पर हैं। भारत के वरुण चक्रवर्ती दूसरे और पाकिस्तान के अबरार अहमद तीसरे स्थान पर हैं ।टॉप-10 में भारत के जसप्रीत बुमराह भी शामिल हैं।

चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट- प्रज्ञानानंदा ने चौथा राउंड ड्रॉ खेला

विमेंस कैटगरी में दिव्या हारीं, पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे 8वें नंबर पर पहुंचीं

पाफोस (एजेंसी)। साइप्रस के पाफोस में चल रहे स्न्नद्बष्श्व कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने चौथे राउंड में जर्मनी के मथियास ब्लूबाउम के खिलाफ ड्रॉ खेला। चौथे राउंड में दो मुकाबले ड्रॉ रहे और दो के रिजल्ट निकले। विमेंस में वैशाली रमेशबाबू ने रूस की अलेक्जेंड्रा गोर्याचकिना के खिलाफ ड्रॉ खेला। वहीं, दिव्या देशमुख को चीन की झू जिनेर के खिलाफ हार मिली।

प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर

चौथे राउंड के बाद ओपन कैटेगरी में उज्बेक के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंदारोव 3.5 पॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना दूसरे, अनीश गिरी तीसरे और आर प्रज्ञानानंदा चौथे नंबर पर हैं। विमेंस कैटेगरी में चौथे राउंड के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली छठे और दिव्या सबसे नीचे 8वें नंबर पर हैं।

न्यूजीलैंड का विमेंस वनडे में सबसे बड़ा रनचेज

भारत का रिकॉर्ड तोड़ा, केर ने 179 रन बनाए

वेलिंग्टन (एजेंसी)न्यूजीलैंड ने विमेंस वनडे का सबसे बड़ा रनचेज कर लिया। टीम ने दूसरे वनडे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2 विकेट से जीत हासिल की। अमेलिया केर की नाबाद 179 रन की पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने 348 रन का लक्ष्य 49.4 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल किया और सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। वेलिंग्टन में बुधवार को न्यूजीलैंड ने भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के सेमीफाइनल में इंडियन विमेंस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 विकेट खोकर 341 रन का टारगेट हासिल किया था।

इसाबेला की पारी ने मैच पलटा

348 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सूजी बेट्स जल्दी आउट हो गईं। इसके बाद अमेलिया केर ने पारी संभाली और जॉर्जिया प्लिमर के साथ 52 रन की साझेदारी की ।मिडिल ओवर्स में टीम का स्कोर 130/4 हो गया था और मैच साउथ अफ्रीका की पकड़ में दिख रहा था। तभी केर को इसाबेला गेज का साथ मिला, जिन्होंने 48 गेंद में 68 रन बनाकर मैच का रुख बदल दिया। दोनों के बीच 120 रन की तेज साझेदारी हुई।

साउथ अफ्रीका ने 346 रन बनाए थे

इससे पहले साउथ अफ्रीका ने 50 ओवर में 346/6 रन बनाए थे। लौरा वोलवार्ट और एनेके बोश ने दूसरे विकेट के लिए 132 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। अंत में क्लो ट्रायन ने 25 गेंद में नाबाद 52 रन बनाकर स्कोर 347 तक पहुंचाया।

केर ने 23 चौके लगाए

अमेलिया केर ने 139 गेंद में नाबाद 179 रन बनाए, जिसमें 23 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। उन्होंने पहले पारी को संभाला और फिर तेजी से रन बनाते हुए टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। आखिर में केर ने ही चौका लगाकर मैच खत्म किया और टीम को यादगार जीत दिलाई।

आज पंजाब के खिलाफ लय हासिल करने उतरेगा सीएसके

घरेलू मैदान पर जीत की तलाश

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल 2026 में अपने दूसरे मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत दर्ज कर लय हासिल करने के इरादे से उतरेगा। यह मैच चेन्नई के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा, जहां सीएसके का रिकॉर्ड हमेशा मजबूत रहा है। टीम पहले मैच की हार को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स का आत्मविश्वास ऊंचा

पंजाब किंग्स ने अपने पहले मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की थी। कूपर कॉनॉली ने तीसरे नंबर पर अहम पारी खेलकर टीम को मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला। वहीं युजवेंद्र चहल ने गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन करते हुए बीच के ओवरों में विकेट चटकाए।

मजबूत गेंदबाजी बनी पीबीकेएस की ताकत

पंजाब की गेंदबाजी यूनिट संतुलित नजर आ रही है। चहल के साथ तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाक ने भी अच्छा सहयोग दिया। टीम इस लय को बरकरार रखते हुए सीएसके के खिलाफ भी दबदबा बनाना चाहेगी।

- **पहले मैच में निराशाजनक प्रदर्शन-** राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में सीएसके का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। युवा खिलाड़ियों से सजी टीम किसी भी विभाग में प्रभाव नहीं छोड़ पाई और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। अब टीम उस हार से सबक लेकर बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेगी।
- **धोनी की मौजूदगी से मिलेगा सहारा-** टीम के अनुभवी खिलाड़ी एमएस धोनी पहले मैच में पिंडली की चोट के कारण टीम के साथ नहीं थे। हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ मुकाबले में उनके डगआउट में रहने की संभावना है, जिससे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को रणनीतिक मदद मिल सकती है।
- **बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत-** सीएसके के बल्लेबाज पहले मैच में पूरी तरह फ्लॉप रहे थे। संजू सैमसन अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए और वह इस मुकाबले में वापसी करना चाहेंगे। सरफराज खान को इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर मौका मिला, लेकिन वह इसे भुना नहीं सके।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का जलवा

आदित्य की 5-0 से धमाकेदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटार में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत के स्टार बॉक्सर आदित्य ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 65 किलोग्राम वर्ग में सऊदी अरब के मौसा अलहवसाव को 5-0 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली है। मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन आदित्य ने पूरे मुकाबले में अपनी तकनीक और नियंत्रण का बेहतरीन प्रदर्शन किया और एकतरफा अंदाज में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही अब उनका अगला मुकाबला उजबेकिस्तान के अब्दुल्लोह मादामिनोव से होगा, जिसे काफी कड़ा मुकाबला माना जा रहा है।

आदित्य ने इस मुकाबले में शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और अपने प्रतिद्वंद्वी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने अपने पंचों की सटीकता और रिंग में मूवमेंट के दम पर मुकाबले को पूरी तरह नियंत्रित रखा। इससे पहले भी वह जनवरी में आयोजित 9वीं एलीट मेंस नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं और उसी लय को यहां भी बरकरार रखा है।

इस चैंपियनशिप में भारत ने पहले दिन से ही शानदार शुरुआत की थी। महिला 54 किलोग्राम वर्ग में प्रीति पवार ने कजाकिस्तान की एलिना बाजारोवा को 5-0 से हराया। वहीं पुरुष 70 किलोग्राम वर्ग में दीपक ने उजबेकिस्तान के खवासबेक असदुल्लाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से मात दी और अपनी क्षमता का

परिचय दिया।

दूसरे दिन भी भारतीय मुक्केबाजों का दबदबा जारी रहा। महिला 60 किलोग्राम वर्ग में प्रिया ने कजाकिस्तान की रिम्मा वोलोसेंको को 5-0 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। वहीं पुरुष 55 किलोग्राम वर्ग में जादुमणि सिंह ने जापान के रुई यामागुची के खिलाफ कड़ा मुकाबला खेला, लेकिन वह 2-3 के करीबी फैसले में हार गए।

विलियम्स ने टीम इंडिया के लिए छोड़ी ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता

कोच्चि (एजेंसी) भारतीय फुटबॉल के लिए एएफसी एशियन कप 2027 क्वालीफायर का हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ मैच एक खास पल का गवाह बना। भारत ने मैच 2-1 से जीतकर टूर्नामेंट में अपना सफर खत्म किया। यह भारत की प्रतियोगिता में पहली और कोच्चि के मैदान पर भी पहली जीत रही। भारत की ओर से रयान विलियम्स (4′) और आकाश मिश्रा (50′) ने गोल किए। ऑस्ट्रेलियाई मूल के 32 वर्षीय रयान इस मैच में भारत के लिए डेब्यू कर रहे थे। 2014 में अराता इजुमी के बाद वह भारत के लिए खेलने वाले पहले विदेशी मूल के खिलाड़ी बने। रयान का पोर्ट्समाउथ और फुलहम जैसे इंग्लिश क्लबों से होते हुए कोच्चि तक का सफर अपनी जड़ों की ओर लौटने की कहानी है। रयान का जन्म ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में हुआ था और 2019 में वह ऑस्ट्रेलिया के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल चुके थे। भारत से उनका नाता उनकी मां ऑड्रे से जुड़ता है, जो मुंबई (तत्कालीन बॉम्बे) के एक एंग्लो-इंडियन परिवार से ताल्लुक रखती हैं।

व्यापार

प्लास्टिक का सामान, कपड़े, दवा होंगी सस्ती

सरकार ने अहम पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट पर कस्टम ड्यूटी पूरी तरह माफ की

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट और वैश्विक सप्लाई चेन में बाधाओं के बीच केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को घोषणा की कि अहम पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट पर 30 जून 2026 तक पूरी कस्टम ड्यूटी माफ की जाएगी। इन प्रोडक्ट का इस्तेमाल प्लास्टिक के सामान बनाने समेत कपड़े बनाने, दवा बनाने आदि में इस्तेमाल होता है। सरकार के इस फैसले से आम जनता को कुछ राहत मिलेगी। यह छूट 30 जून तक लागू रहेगी। इससे प्लास्टिक, पैकेजिंग, कपड़ा, दवा, रसायन, मोटर वाहन घटक तथा अन्य विनिर्माण क्षेत्रों जैसे पेट्रोरसायन 'फीडस्टॉक' और 'इंटरमीडिएट' पर निर्भर उद्योगों को लाभ मिलेगा। मंत्रालय ने कहा कि यह कदम अस्थायी और लक्षित राहत के तौर पर

उठाया गया है ताकि देश में जरूरी पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता बनी रहे, लागत दबाव कम हो और सप्लाई स्थिरता सुनिश्चित की जा सके।

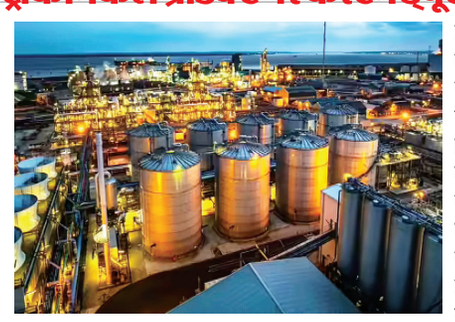

किन सेक्टर को मिलेगा लाभ : प्लास्टिक और पैकेजिंग : कच्चे माल की लागत कम होने से पैकेजिंग इंडस्ट्री की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी।

फार्मास्यूटिकल्स : कई दवाओं के निर्माण में पेट्रोकेमिकल इंटरमीडिएट्स का उपयोग होता है, जिससे अब दवाओं की लागत कम हो सकती है।

टेक्सटाइल : सिंथेटिक फाइबर और कपड़ों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स सस्ते होंगे।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स : कार और बाइक के कलपुर्जों (प्लास्टिक और रबर पार्ट्स) की मैन्युफैक्चरिंग कॉस्ट में कमी आएगी।

पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध जल्द खत्म करने के संकेतों के बाद से कच्चे तेल में गिरावट है और यह 100 डॉलर के नीचे आ गया है। वहीं, रोजाना की तरह आज भी भारत पेट्रोलियम समेत ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के रेट जारी कर दिए हैं। भारत में सबसे सस्ता तेल पोर्ट ब्लेयर में है। यहां पेट्रोल 82.46 प्रति लीटर है तो डीजल 78.05 प्रति लीटर। 2 अप्रैल की सुबह छह बजे जारी रेट के मुताबिक दिल्ली के इंडियन ऑयल के पंपों पर साधारण पेट्रोल की रिटेल कीमत 94.77 और डीजल 87.67 रुपये लीटर है। 1 अप्रैल 2026 से पेट्रोल की कीमत तय करने में कई हिस्से शामिल हैं। सबसे पहले डीलर्स को बिना वैट के जो बेस प्राइस दिया जाता है। इंडियन ऑयल द्वारा जारी डेटा के मुताबिक यह 74.97 प्रति लीटर है। इसके ऊपर

औसतन 4.40 प्रति लीटर डीलर कमीशन जोड़ा गया है। इसके बाद वैट (जिसमें डीलर कमीशन पर लगने वाला टैक्स भी शामिल है) 15.40 प्रति लीटर लगाया गया है। इन सभी को मिलाकर दिल्ली में आज 1 अप्रैल को पेट्रोल की खुदरा कीमत करीब 94.77 प्रति लीटर बैठती है। डीजल की कीमत भी इसी तरह तय होती है, जिसमें सबसे पहले डीलर्स का कमीशन, वैट आदि जुड़े होते हैं। दिल्ली में एक लीटर डीजल की कीमत 87.67 है। इसका बेस प्राइस बिना वैट के 71.81 प्रति लीटर है।

आलू 4, प्याज 10, टमाटर 7 किलो, जनवरी से आधे रह गए सब्जियों के दाम

नईदिल्ली, एजेंसी। जनवरी से सब्जियों की कीमतें तेजी से गिरी हैं। इससे ग्राहकों को राहत मिली है।

लेकिन, किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। आलू की कीमतें 40 प्रतिशत, प्याज की 50 प्रतिशत और टमाटर की 80 प्रतिशत तक गिर गई हैं। इसकी मुख्य वजह बाजार में सप्लाई का बहुत ज्यादा होना और कटाई के मौसम में फसलों की भारी आवक है। इकनॉमिक टाइम्स (ईटी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। एक आजादपुर (दिल्ली) में आलू लगभग 4 रुपये किलो है। वहीं, लासलगांव (महाराष्ट्र) में प्याज 10-11 रुपये किलो बिक रहा है। राज्य के पिंपलगांव में टमाटर लगभग 7 रुपये किलो के भाव में पहुंच गया है। होटलों और रेस्टोरेंट से टमाटर की जो मांग फरवरी के आखिर से ही एलपीजी संकट की वजह से कम होनी शुरू हो गई थी, वह इस हफ्ते लगभग पूरी तरह से ही खत्म हो गई है। इसी वजह से पिछले एक महीने में टमाटर की कीमतें 40 प्रतिशत तक गिर गई हैं।

कॉर्पोरेट की चमक-धमक छोड़ 2.5 लाख से शुरू किया देसी काम

नईदिल्ली, एजेंसी। यह कहानी एक ऐसी जोड़ी की है जिसने कॉर्पोरेट की चमक-धमक छोड़कर एकदम देसी काम से अपनी पहचान बनाई है। अभिषेक चौधरी बंगाल के सिलीगुड़ी से हैं। वहीं, सेंजुती महतो झारखंड के बोकारो से ताल्लुक रखती हैं। दोनों ने मिलकर 'अर्थ स्टोरी फार्म्स' नाम का वेंचर शुरू किया है। इसकी नींव उन्होंने 2021 में डाली थी। यह बिना प्रिजर्वेटिव वाले क्षेत्रीय उत्पाद बेचता है। इनमें नोलेन गुड़, बिलोना घी, औषधीय शहद, अचार, बाजरा, चावल और जीआई-टैग वाले मसाले शामिल हैं। सिर्फ 2.5 लाख रुपये की पूंजी से शुरू हुए इस वेंचर का कारोबार अब 1.25 करोड़ रुपये पहुंच गया है। आइए, यहां अभिषेक चौधरी और सेंजुती महतो की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। अभिषेक चौधरी -कलकत्ता से एमबीए और पूर्व आईटी कंसल्टेंट हैं। सेंजुती महतो जेएनयू से पॉलिटिकल साइंस में पोस्ट-ग्रेजुएट हैं। वह विज्ञापन जगत से आती हैं।

अब करोड़ों का कारोबार

तेजी से दौड़ा कारोबार

अभिषेक और सेंजुती के स्टार्टअप का सफर सिर्फ 2.5 लाख (वित्त वर्ष 2021-22) से शुरू हुआ था। वित्त वर्ष 2024-25 में यह 1.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। आज उनके उत्पाद ब्लिंकिट, स्विगी इंस्टामार्ट और अमेजन जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ 'बॉम्बे कैंटीन' और 'ब्लू टोकाई' जैसे प्रीमियम कैफे में भी इसतेमाल किए जा रहे हैं। अगले पांच सालों में दोनों 100 करोड़ रुपये के टारगेट को हाथ में लेकर चल रहे हैं। उनकी मिडिल ईस्ट देशों में निर्यात शुरू करने की तैयारी है। यह जोड़ी भारतीय पारंपरिक स्वाद को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर पहचान दिलाना चाहती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)